www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 80 I नर्मदापुरम, मंगलवार 17 जून 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

जंजीर पार कर जाना ले डूबा युवाओं को, मिले शव पृष्ठ 2

दुनिया में मित्रविहीन क्यों होता जा रहा है भारत? पृष्ठ 4

होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल यातायात पर ईरान क्या करेगा? पृष्ठ 4

आज लीड्स में भारतीय टीम के साथ वापस जुड़ेंगे गौतम गंभीर पृष्ठ 6

केंद्र सरकार ने शुरू किया 'जीएसटी पखवाड़ा' पृष्ठ 8

प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस में मिला सर्वोच्च नागरिक सम्मान

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस ने अपना सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से नवाजा है। 23 वर्षों में साइप्रस की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस के राष्ट्रपति, निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस ढ्ढढ्ढ से सम्मानित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मान मिलने के बाद कहा, राष्ट्रपति, ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस ढ्ढढ्ढ के लिए, मैं आपका, साइप्रस सरकार और साइप्रस के लोगों का दिल से आभार व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ नरेंद्र मोदी का नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुंबकम की विचारधारा का सम्मान है। मैं इसे भारत और साइप्रस के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों, हमारे साझा मूल्यों और आपसी समझ के लिए समर्पित करता हूं।।। सभी भारतीयों की ओर से, मैं इस सम्मान को बहुत विनम्रता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करता हूं। यह पुरस्कार शांति, सुरक्षा, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और हमारे लोगों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

मालगाड़ी से निकला धुआं, मचा हड़कंप

बैतूल, देशबन्धु। सोमवार सुबह अचानक मालगाड़ी में से धुआं निकलता देख कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। दरअसल, कोयला लेकर महाराष्ट्र के चंद्रपुर से खंडवा जा रही मालगाड़ी के चार डिब्बों में आग लग गई थी। मालगाड़ी को बैतूल रेलवे स्टेशन के आउटर पर रोका गया। घटना की सूचना मिलते ही बैतूल नगरपालिका की दमकल गाड़ी मौके पर पहुंचा और आग बुझाई। रेलवे स्टेशन मास्टर वीके वालदे ने बताया कि मालगाड़ी में कोयला भरा हुआ था। गर्म कोयले में कहीं आग की चिंगारी में रह गई होगी, जिसके कारण चार बोगियों से धुंआ उठ रहा था। आग लगने जैसी कोई घटना नहीं हुई। इसे फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर बुझा दिया। इसके बाद मालगाड़ी को आगे के लिए रवाना कर दिया है।

सोनिया की हालत स्थिर, चिकित्सा निगरानी में रखा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। श्रीमती गांधी को पेट में दर्द की शिकायत के कारण रविवार रात यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि 78 वर्षीय श्रीमती गांधी की हालत स्थिर बनी हुई है और उन्हें चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। श्रीमती गांधी की पिछले सप्ताह भी अस्पताल में स्वास्थ्य जांच की गई थी।

मुंबई के 2 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में पिछले कुछ दिनों से आ रहे धमकी भरे फोन के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर है। स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ मुंबई के देवनार और समतानगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, मुंबई के देवनार स्थित कनाकिया इंटरनेशनल स्कूल और कांदिवली के समतानगर स्थित रायन इंटरनेशनल स्कूल को धमकी भरे ईमेल मिले हैं। मेल भेजने वाले अज्ञात शख्स ने स्कूलों और मुंबई में बम धमाके की धमकी दी है।

ईपीएफओ ने अनधिकृत एजेंटों से बचने की दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कहा है कि संगठन के पोर्टल पर सभी सेवाएं निशुल्क और सुरक्षित हैं और किसी भी अनधिकृत एजेंट से बचा जाना चाहिए। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सोमवार यहां कहा कि अपने सेवाओं और शिकायतों के लिए अंशधारकों को ईपीएफओ के आधिकारिक पोर्टल का उपयोग करना चाहिए। ईपीएफओ ने केवाईसी या सदस्य विवरण में सुधार तथा स्थानांतरण दावें, पेंशन वितरण प्रक्रिया निशुल्क हैं।

इजराइल का बड़ा दावा

तेहरान के आसमान पर अब हमारा कब्जा

- इजरायल और ईरान दोनों ने ही एक दूसरे पर जबरदस्त हमले किए
- ईरान में सैकड़ों की मौत, इजराइल में 24 लोग मारे गए

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। इजरायल और ईरान दोनों ने ही एक दूसरे पर जबरदस्त हमले किए हैं। इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान के कई न्यूक्लियर ठिकानों, मिसाइल लॉन्च सिस्टम्स और एयर डिफेंस को तबाह कर दिया है। तो वहीं, ईरान ने भी इजरायल के तेल अवीव समेत कई बड़े शहरों पर मिसाइल से हमला किया है।

बीते शुक्रवार से जारी जंग के बीच अब इजरायल ने बड़ा ऐलान किया है। इजरायल ने दावा किया है कि उसने ईरान की राजधानी तेहरान के ऊपर हवाई श्रेष्ठता हासिल कर ली है। इसके साथ ही इजरायल ने पश्चिमी ईरान से लेकर राजधानी तेहरान तक के आसमान पर नियंत्रण का दावा किया है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजरायली सेना ने कहा है कि उसने ईरान के एयर डिफेंस और मिसाइल सिस्टम्स को इस लेवल तक कमजोर कर दिया है कि इजरायली विमान बिना किसी बड़े खतरे का सामना किए तेहरान के ऊपर उड़ान भर सकते हैं। इजरायल का ये हमला 1980 के इराक़ युद्ध के बाद से ईरान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला है। इजरायल के हमले में ईरान के सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। ईरान के दर्जनों शीर्ष सैन्य अधिकारी और परमाणु वैज्ञानिक मारे जा चुके हैं। अब तक ईरान ने 224 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। इसके अलावा 1,277 लोग घायल बताए जा रहे हैं। ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। सोमवार सुबह ईरानी सेना ने सेंट्रल इजराइल में कई जगहों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं।

ट्रंप को मारना चाहता है ईरान : नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा दावा किया है। नेतन्याहू का कहना है कि ईरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारने की कोशिश कर चुका है, क्योंकि ट्रंप ने उनकी परमाणु महत्वाकांक्षाओं का कड़ा विरोध किया। नेतन्याहू ने ट्रंप को तेहरान का 'दुश्मन नंबर एक' बताया। इसके साथ ही ईरान पर ट्रंप की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया।

अधिसूचना जारी

एक मार्च 2027 तक पूरी होगी जनगणना

नई दिल्ली, देशबन्धु। जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। जनगणना की ये प्रक्रिया 1 मार्च 2027 तक पूरी हो जाएगी, जबकि लद्दाख, जम्मू कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में जनगणना पूरी होने की तिथि 1 अक्टूबर 2026 रहेगी। जनगणना के साथ ही इस बार जाति का जनगणना भी करवाई जाएगी, जिसका सरकार ने कुछ वक्त पहले ही ऐलान किया था।

दो चरणों में जनगणना कराने का फैसला-जातियों की गणना के साथ-साथ जनगणना-2027 को दो चरणों में कराने का निर्णय लिया गया है। जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के प्रथम दिन 00:00 बजे होगी। यानी 1 मार्च 2027 तक जनगणना का काम पूरा कर लिया जाएगा। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के 4 दिनों के दौरान इजराइल में ईरान का यह सबसे बड़ा हमला है।

एयर इंडिया के विमान में फिर आई खराबी, वापस हांगकांग लौटा

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद लंदन एयर इंडिया विमान हादसे के चार दिन बाद हांगकांग से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के एक और बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान में उड़ान भरने के चंद मिनट बाद तकनीकी समस्या का पता लगने पर उसे वापस हांगकांग लौटना पड़ा।

सूत्रों के अनुसार हांगकांग से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई315 बीती रात 11 बज कर 59 मिनट पर हांगकांग से रवाना हुई थी। रिकार्ड के अनुसार यह उड़ान तीन घंटे नौ मिनट के विलंब से रवाना हुई थी। उड़ान भरने के बाद पायलट को हवा में ही तकनीकी समस्या का संदेह हुआ। इस पर पायलट ने विमान को समुद्र के ऊपर कुछ देर उड़ाया और जब दिक्कत दूर नहीं हुई तो वापस लौटने का फैसला किया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

हज यात्रियों से भरे सऊदी एयरलाइंस के पहिये से निकली चिंगारी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्लेन के पहिए में आग लगने की खबर है। लखनऊ अमौसी एयरपोर्ट पर रविवार सुबह लैंडिंग के बाद टैक्सी-वे पर जाते वक्त सऊदी अरबिया एयरलाइंस के विमान के बाएं पहिये से चिंगारी और तेज धुआं उठने लगा। यह विमान जेद्दा से हज यात्रियों को लेकर लौटा था।

चिंगारी का पता चलते ही पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को सूचना दी। इसके बाद तुरंत फायर टीम ने मौके पर पहुंचकर फोम और पानी डालकर स्थिति पर काबू पा लिया। इसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया। तब जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली। जानकारी के मुताबिक, सऊदी अरबिया एयरलाइंस के विमान एसवी 3112 ने शनिवार रात करीब 11:30 बजे जेद्दा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी।

जबलपुर जिले में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने की घोषणा

रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को ढाई सौ रुपए शगुन दिया जाएगा

- बहनों और माताओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना लक्ष्य
- लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और गैस सिलेंडर रिफिलिंग की राशि भी अंतरित की

जबलपुर/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर बनाने, सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि प्रदान करने के लिए हमारी सरकार द्वारा हर महीने बहनों के खातों में राशि भेजकर बहनों का रक्षाबंधन मनवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले महीने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में लाड़ली बहनों को 250 रुपए बढ़ाकर दिया जाएगा, जिससे ताकि बहनें उत्साह पूर्वक त्यौहार मना सकें।

डॉ. यादव सोमवार को जबलपुर जिले के बेलखेड़ा गांव में राज्य स्तरीय लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश की लाड़ली बहनों सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के जरिए 2081 करोड़ रुपए से अधिक की सम्मान एवं सहायता राशि अंतरित की। डॉ. यादव ने प्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किश्त 1551 करोड़ 44 लाख रुपए अंतरित किए। डॉ. यादव ने 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ की राशि, 27 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपए की अनुदान राशि और मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना में 6 हजार 821 श्रमिक परिवारों को 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का भी सिंगल क्लिक से अंतरण किया। डॉ. यादव ने करीब 22 करोड़ 44 लाख रूपये के विकास कार्यों का भी लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। उन्होंने कहा कि जबलपुर क्षेत्र महारानी दुर्गावती, रानी अवंतीबाई जैसी वीरांगनाओं की धरती है। हमारी सरकार ने इन वीरांगनाओं के नाम पर योजनाएं चलाई हैं। इनका लाभ प्रदेश की लाखों महिलाओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पूरे देश सहित मध्यप्रदेश की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही है। वहीं डॉ. यादव ने बेलखेड़ा में शासकीय महाविद्यालय प्रारम्भ करने और शहपुरा में अनुविभागीय राजस्व कार्यालय व शासकीय कर्मचारियों के आवास भवन के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने शहपुरा में एसडीओपी की पदस्थापना की भी घोषणा की।

मोदी सरकार ने पक्का आवास देने का काम किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांव, पहाड़ और नगर में रहने वाले, कच्चे और टूटे छत के मकान में रहने वाले सभी लोगों को पक्का आवास देने का काम किया है। प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना से हमारी माताओं और बहनों की आंखों को धुएं से मुक्ति दिलाने का काम भी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी की पहल पर जल जीवन मिशन के तहत अब हर घर नल से जल पहुंच रहा है। डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1 करोड़ 33 लाख परिवारों को नि:शुल्क खाद्यान्न देने का काम भी सरकार कर रही है।

जनजातीय नर्तकों के साथ ढोल बजाया

हेलीपैड से सभा स्थल पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जनजातीय लोक नर्तकों ने वाद्ययंत्र बजाकर और जनजातीय लोक नृत्यकर स्वागत किया। डॉ. यादव ने जनजातीय लोक नर्तकों के साथ स्वयं ढोल बजाया। यहां डॉ. यादव का साफा-पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया और कामधेनु गाय की प्रतिमा भेंट की गई।

राजनाथ का हेलीकॉप्टर हुआ खराब, दूसरे से हुए रवाना

भोपाल, देशबन्धु। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी के चलते हेलीकॉप्टर पचमढ़ी से भोपाल के लिए उड़ान नहीं भर पाया। जिसके चलते वे दूसरे हेलीकॉप्टर से रवाना हुए।

पचमढ़ी में भाजपा सांसद-विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने के लिए वायुसेना के हेलीकॉप्टर से श्री सिंह आज भोपाल से पचमढ़ी पहुंचे थे। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को दोपहर 12 बजे से 2.50 बजे तक पचमढ़ी में रहे। वे दोपहर 2.30 बजे हवाई पट्टी पर आकर हेलिकॉप्टर में सवार हो गए थे, लेकिन तकनीकी समस्या के चलते हेलिकॉप्टर को उड़ने में दिक्कत आ रही थी। इसके बाद राजनाथ सिंह को दूसरे हेलिकॉप्टर में बैठाया गया। उन्होंने 2.51 बजे भोपाल के लिए उड़ान भरी। जिस हेलिकॉप्टर में खराबी आई थी, उसमें करीब पौने तीन घंटे सुधार कार्य के बाद शाम करीब 5.30 बजे रवाना किया गया।

रैपिडो ड्राइवर ने महिला यात्री को मारा थप्पड़

बेंगलुरु, एजेंसी। जयनगर से एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक रैपिडो बाइक ड्राइवर एक महिला यात्री के साथ मारपीट करता दिख रहा है. मिली जानकारी के अनुसार महिला ने सवारी के बीच में उतरने के बाद लापरवाही से बाइक चलाने को लेकर ड्राइवर का विरोध किया था. लेकिन दोनों के बीच सही से बातचीत नहीं हो पाने के कारण बहस बढ़ गई. जहां एक तरफ महिला केवल अंग्रेजी बोलती थी वहीं दूसरी तरफ रैपिडो ड्राइवर को केवल कन्नड़ बोलना आता था. महिला ने कथित तौर पर किराया देने और हेलमेट लौटाने से इनकार कर दिया जिसके बाद स्थिति बिगड़ गई. इसके बाद वीडियो में ड्राइवर महिला को थप्पड़ मारते दिखा, जिससे वह जमीन पर गिर गई।

महिला कथित तौर पर एक आभूषण की दुकान में काम करती है। वायरल हो रहे वीडियो में, शुरुआत में दोनों को बहस करते और आसपास खड़े लोगों को बीच-बचाव करने के लिए मनाने की कोशिश करते देखा गया. लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ. उस आदमी के थप्पड़ मारने के बाद भी किसी ने उसे रोकने की कोशिश नहीं की। खास बात है कि अप्रैल में ही हाई कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया था कि कर्नाटक में दोपहिया टैक्सियों (रैपिडो-उबर की बाइकें) पर रोक लगानी है. यानी कायदे से बाइक टैक्सियां अब कर्नाटक की सड़कों पर दिखनी ही नहीं चाहिए। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा, तीन महीने पहले, अदालत ने फैसला किया था कि बाइक टैक्सी अवैध हैं. उन्होंने छह सप्ताह का समय दिया था. फिर से, उनके अनुरोध पर, उन्होंने छह सप्ताह और दिए हैं. अब, 12 सप्ताह खत्म हो गए हैं, और उन्हें हाई कोर्ट के आदेश का पालन करना होगा।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के आंकड़ों से मिली जानकारी

भारत में हर महीने औसतन हो रही है 17 बाघों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इस साल अवैध शिकार, क्षेत्रीय विवाद, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ट्रेन दुर्घटनाओं और प्राकृतिक कारणों से अब तक 91 शाही बाघों की मौत हो चुकी है। यह एक खतरनाक आंकड़ा है जिसके मुताबिक देश में हर महीने औसतन लगभग 17 बाघों की मौत हो रही है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के आंकड़ों के अनुसार पिछले साढ़े पांच महीनों में देश ने अवैध शिकार, क्षेत्रीय विवाद, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ट्रेन दुर्घटनाओं और प्राकृतिक कारणों से 91 शाही बाघों को खो दिया है । यह खतरनाक आंकड़ा बताता है कि हर महीने देश में औसतन 17 बाघ मौत के मुंह में समा रहे हैं।

अगर यही सिलसिला जारी रहता है तो इस साल बाघों की मौत के कुल मामलों की संख्या पिछले साल के 126 के आंकड़े को पार कर सकती है। गौरतलब है कि 2019 से 2023 तक की पांच साल की अवधि में समूचे भारत में कुल 628 'धारीदार वन्य शिकारी' मारे गए हैं। भारत में प्रोजेक्ट टाइगर की देखरेख करने वाले एनटीसीए के आंकड़ों के अनुसार देश में 2019 में 96, 2020 में 106, 2021 में 127, 2022 में 121 और 2023 में 178 बाघों की मौत हुई थी। इस बीच

अकेले महाराष्ट्र में ही 26 बाघों की मौत की सूचना

2025 के पहले पांच महीनों में बाघो की मौत से जुड़े आंकड़े हर राज्य में असमान ही है जिसमें आधे से अधिक यानी 49 मौतें मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हुई हैं जहाँ ट्रेन दुर्घटनाएँ और संक्रामक रोग भी इनकी मौत के जिम्मेदार पाये गये हैं। अकेले महाराष्ट्र में ही 26 बाघों की मौत की सूचना है। उसके बाद मध्य प्रदेश में 24 बाघों की मौत हुई। अन्य प्रभावित राज्यों में केरल (नौ), असम (आठ), उत्तराखंड (सात), कर्नाटक और उत्तर प्रदेश (चार-चार) और तेलंगाना (एक) शामिल हैं। आंकड़ो से जानकारी मिली है कि 42 बाघ अपने अपने संरक्षित स्थानों के अंदर ही मृत पाए गए जो प्राकृतिक कारणों या क्षेत्रीय लड़ाई के कारण हो सकते हैं। वहीं 35 बाघ इन संरक्षित क्षेत्रों के बाहर मरे पाए गए।

अधिकारियों ने इसका कारण मानव-पशु संघर्ष और बिजली के झटके के अलावा अन्य कारणों को बताया। इनमें एक महत्वपूर्ण आंकड़ा बाघो के 14 शावकों का है। उसके बाद 26 मादा और 20 नर बाघो का आंकड़ा आता है। इस क्षेत्र में काम कर रहे एक गैर सरकारी संगठन 'भारतीय वन्यजीव संरक्षण सोसायटी' (डब्ल्यूपीएसआई) से उपलब्ध डेटा अधिक चिंताजनक है। यह दर्शाता है कि 2025 में बाघों की मौतों में वृद्धि हुई है जिसमें अब तक 120 मौतें दर्ज की गई हैं । इनमें 96 प्राकृतिक या मानव-प्रेरित कारणों से और 24 अवैध शिकार और वन्यजीव तस्करी से जुड़ी हैं।

पिछले 12 वर्षों में 1,386 बाघों की मौत हुई

इस बीच एनटीसीए के आंकड़ों के अनुसार पिछले 12 वर्षों में समूचे भारत में 1,386 बाघों की मौत हुई जिनमें से लगभग पचार प्रतिशम मौतें नामित बाघ अभयारण्यों में हुई हैं। उधर संरक्षणवादियों ने आशा दिलाते हुए कहा है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और मानव आबादी के बावजूद दुनिया के लगभग तीन-चौथाई बाघ अब भी भारत में हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान के संरक्षणवादी वाईवी झाला ने 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित अपने हालिया अध्ययन में कहा कि '2010 से 2022 तक भारत में बाघों की संख्या अनुमानित 1,706 से दोगुनी होकर लगभग 3,700 हो गई है'।

नर्मदा में नहाते वक्त डूबे दोनों युवकों के शव एसडीआरएफ ने ढूंढ निकाले, परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल हुआ

जंजीर पार कर जाना ले डूबा युवाओं को, मिले शव

इटारसी, देशबन्धु। नर्मदा में स्नान करने के दौरान डूबे दोनों युवकों के शव आज सुबह नर्मदा नदी से निकाले गये। दोनों युवक इटारसीके रहने वाले थे। कल नर्मदापुरम गए तीन दोस्तों में से 2 गहरे पानी में डूब गए थे। एसडीआरएफ की टीम ने कल लगातार उनकी खोज की, लेकिन अंधेरों होने से रेस्क्यू आपरेशन में बाधा आई तो तलाश बंद कर दी थी। आज सुबह 6.30 मिनट पर होमगार्ड सैनिक श्याम सिंह राजपूत द्वारा फिर से रेस्क्यू शुरू किया जिसमें पहले एक युवक का शव कड़ी मेहनत के बाद खोज लिया। दूसरे युवक का शव भी कोरीघाट से एसडीआरएफ की टीम ने किया बरामद कर लिया।

बता दें कि हादसा रविवार शाम करीब 5 बजे विवेकानंद घाट पर हुआ था। हादसे का लाइव वीडियो भी सामने आया है। इसमें दोनों युवक डूबते

दिख रहे हैं। यह हादसा दोनों युवकों द्वारा सुरक्षा जंजीर को पार कर दूसरी तरफ जाने से हुआ था।

करीब 15 घंटे बाद नदी से दोनों शव निकाले जा सके। दोनों युवकों के शव मिलने के बाद घाट पर मौजूद परिजनों ने रोना प्रारंभ कर दिया और घाट का माहौल गमगीन हो गया। कल इटारसी निवासी दिलखुश ठाकुर (20), यश मेहरा (17) और कृष्णा ठाकुर (17) रविवार को नर्मदा स्नान के लिए विवेकानंद घाट गए थे। नहाते-नहाते दिलखुश और यश घाट पर लगी सुरक्षा चेन पार कर गहरे पानी में चले गए थे, कुछ देर बाद दोनों पानी में डूबने लगे तो घाट पर मौजूद एक युवक ने इस हादसे का वीडियो बना लिया था। पुलिस और होमगार्ड्स ने शव बाहर निकालने के बाद उन्हें पोस्ट मोर्टम के लिए भेजा।

यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग के मामलों में न रहें चुप, उठाएं आवाज

इटारसी, देशबन्धु। वर्तमान में जालसाजों या संगठित गिरोह द्वारा छात्राओं, महिलाओं से यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग के मामले में सामने आ रहे हैं, जिनमें महिलाओं को फर्जी प्रेम-जाल में फसाकर, उनके अश्लील, अंतरंग वीडियो बनाकर यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग की जाती है। यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग से बचाव के लिए पुलिस ने एडवायजरी जारी की है। स्कूल-कॉलेज जाने वाली, घर से बाहर रहकर पढ़ने वाली युवतियों एवं एकल महिलाएं जालसाजों के निशाने पर हैं। जालसाज व्यक्ति निजी स्तर पर या संगठित गिरोह बनाकर इस प्रकार की युवतियों, महिलाओं से स्कूल, कॉलेज, कोचिंग आदि या सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती करते हैं। जालसाज महंगी जीवनशैली और लग्जरी गाड़ियों व इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का इस्तेमाल करते हैं।

> इस प्रकार दिखावे के प्रलोभन में आकर युवतियां ऐसे लोगों की बातों में आकर इनसे दोस्ती कर लेती हैं। कई बार जालसाजों के गिरोह में इनके सहयोग के लिए महिलाएं भी होती हैं। शुरू में जालसाज का व्यवहार बेहद सहयोगात्मक एवं शराफत भरा होता है, समझें इसे।

नवांकुर संस्थाएं समाज और सरकार के बीच बनेंगी मजबूत सेतु

जैविक खेती को बढ़ावा देने बनेगी प्रस्फुटन समितियां: डॉ. बकुल लाड़

बनखेड़ी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के निदेशक डॉ. बकुल लाड़ ने सोमवार को कृषि विज्ञान केन्द्र, गोबिंद नगर के सभागार में नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों और परामर्शदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए जैविक प्रस्फुटन समितियां गठित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि समाज में बेहतर कार्य कर रहे लोगों के साथ मिलकर विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।डॉ. लाड़ ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के तहत प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं को विभिन्न विभागों के सहयोग से अतिरिक्त प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें रोजगार से जोड़ा जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने नवांकुर संस्थाओं और प्रस्फुटन समितियों से शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं समाज और सरकार के बीच सेतु का कार्य कर रही हैं, जिन्हें और अधिक सशक्त किया जाएगा। इस अवसर पर बैठक में टास्क मैनेजर दरयाव सिंह सूर्यवंशी, संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी, जिला समन्वयक पवन सहगल, ओमकार सिंह राजपूत, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ संजीव कुमार गर्ग डाक्टर देवी दास पटैल, डाक्टर आकांक्षा पांडे, डाक्टर प्रवीण सोलंकी विकास खंड समन्वयक मुकेश सोलंकी और क्षेत्रीय कार्यकर्ता सहित स्वयंसेवक, परामर्शदाता व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण के बाद 20 मरीजों को मोतियाबिन्द आपरेशन के लिए भोपाल भेजा

इटारसी, देशबन्धु। बाबा गोदड़ीवाला धाम एवं सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से साईं चंदीराम साहब के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में निशुल्क नेत्र परीक्षण के बाद 20 मरीजों को विशेष बस से मोतियाबिंद आपरेशन लैंस प्रत्यारोपण के लिए भोपाल भेजा। सभी मरीजों का आपरेशन बैरागढ़ स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में होगा। मरीजों को सभी व्यवस्थाएं नि:शुल्क रहेंगे तथा आपरेशन के बाद लगने वाला लैंस भी निशुल्क ही लगाया जाएगा। इस अवसर समन्वयक सौरभ डोंगरे, नेत्र विशेषज्ञ सुमित सेन, डेटा ऑपरेटर राधिका तिलोतिया, समाजसेवी सुरेश मालवीय व गोदड़ी वाला सचिव सन्मुखदास चेलानी का विशेष सहयोग रहा।

नेशनल हाईवे पर केसला के लाल नाले के पास कपास से भरा ट्रक जला

इटारसी, देशबन्धु। सोमवार को सुबह करीब 6:30 बजे नागपुर से मंडीदीप जा रहे कपास से भरे एक ट्रक में केसला के लाल नाले के पास अचानक आग लग गई। देखते ही देखते पूरा ट्रक जलकर खाक हो गया। ट्रक चालक समीर मंसूरी निवासी धार ने बताया कि नागपुर से कपास की गठान लेकर मंडीदीप जा रहा था। केसला के लाल नाले के पास ट्रक से धुआं निकलता देख उसने गाड़ी रोकी। जब उसने चेक किया तो ट्रक में आग लगी हुई थी। चालक ने धूल डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग पूरे ट्रक में फैल गई। सूचना मिलते ही इटारसी नगर पालिका की फायर ब्रिगेड और केसला पुलिस मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया।

श्री निषादराज प्रतिभा सम्मान समारोह जुलाई में, प्रतिभाओं से भरवाये फार्म

इटारसी, देशबन्धु। सोमवार को युवा मांझी समाज संगठन (युमांस) इटारसी ने 6 वे वर्ष में श्री निषादराज प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम के लिए ग्राम निमसाड़िया, ग्राम डोलरिया एवं नर्मदापुरम में सामाजिक छात्र- छात्राओं के फॉर्म भरना शुरू किये हैं। संगठन अध्यक्ष राकेश रायकवार ने बताया कि एमपी बोर्ड या सीबीएसई परीक्षा परिणाम में कक्षा 5 वी, 8 वी,10 वी कक्षा,12 वी में 70 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाकर उत्तीर्ण होने वाले सामाजिक छात्र छात्राओं को एवं इस वर्ष किसी भी खेल में स्टेट, नेशनल खेलने वाले सामाजिक खिलाड़ियों को जुलाई में आयोजित श्री निषादराज प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रमाणपत्र एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया जायेगा।

वरिष्ठ नागरिक मंच की मासिक बैठक में विचार विमर्श किया, जताई चिंता

इटारसी, देशबन्धु। वरिष्ठ नागरिक मंच की मासिक बैठक में 'समाज और बदलती हुई संस्कृति' पर विचार-विमर्श हुआ। सर्वप्रथम डॉ.ज्ञानेंद्र पाण्डेय ने विषय प्रतिपादन करते हुए कहा कि संस्कृति में हो रही गिरावट ही सामाजिक व्यवहार में गिरावट के रूप हमारे सामने आ रही है। इस विचार को आगे बढ़ाते हुए अनिरूद्ध शुक्ल, ब्रम्हभट्ट, अशोक सक्सेना और रामकिशोर चौरे ने अपने-अपने विचार रखे।मंच के अध्यक्ष डॉ.विनोद सीरिया ने इस माह में जन्मदिन की तिथि होने पर डॉ.ज्ञानेंद्र पाण्डेय और मुरलीमनोहर दीक्षित का अभिनंदन किया। मंच की परम्परा के अनुसार मंच के वरिष्ठ सदस्यों ने उन्हें माल्यार्पण कर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मंच के सचिव विजय मंडलोई ने इस पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर चंद्रप्रभा ठाकुर, सुषमा परमहंस, सुधीर गोठी, एनआर अग्रवाल, श्री चिमानिया, सूरजसिंह सोलंकी, सुशील शर्मा, कश्मीर उप्पल आदि सदस्य उपस्थित थे।-

लायंस क्लब बैतूल के अध्यक्ष बने बी.आर कुबड़े

बैतूल, देशबन्धु। लायंस क्लब बैतूल सिटी की वर्ष 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा हाल ही में संपन्न हुई। नामांकन समिति की बैठक में लायंस संविधान के अनुसार चयन प्रक्रिया पूरी की गई। एमजेएफ लायन के. आर. देशमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन समिति द्वारा चुने गए पदाधिकारियों की सूची बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की गई थी, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके पश्चात नवगठित कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा की गई। इस वर्ष के लिए लायंस क्लब बैतूल सिटी के अध्यक्ष एमजेएफ लायन बी. आर. कुबड़े होंगे। सचिव पद की जिम्मेदारी एमजेएफ लायन अक्षय अग्रवाल को दी गई है, वहीं कोषाध्यक्ष लायन शिशिर चौधरी बनाए गए हैं।

प्रदेश की ए क्लास मंडी, अंधेरे में डूबी, किसानों को परेशानी

पिपरिया, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी और थोक सब्जी मंडी में करीब एक सप्ताह से अंधेरा पसरा है। बिजली- पानी की समस्या से किसान और सब्जी व्यापारी परेशान हैं।

प्रदेश की ए क्लास मंडी में शुमार पिपरिया कृषि उपज मंडी की डीपी करीब एक सप्ताह से खराब पडी है। बताया जा रहा है डीपी धमाके के साथ जल गई थी। तब से कृषि उपज मंडी और थोक सब्जी मंडी प्रांगण सहित केंटीन, किसान भवन, कार्यालय सब प्रभावित हैं। मंडी प्रांगण में संचालित थोक सब्जी बाजार की हालत भी खराब है। इलेक्ट्रिक कांटों के बंद होने से व्यापार में दिक्कतें आ रहीं हैं। कांटों को चार्ज करने घर ले जाना पड़ रहा है। वहीं पानी की समस्या भी इस भीषण गर्मी में झेलनी प? रही है। 315 किलोवाट की डीपी से कृषि मंडी और थोक सब्जी मंडी रौनक रहते है। डीपी जलने से रात में दोनों ही मंडियों में अंधेरा पसरा रहता है। चोरी और अपराध का भय किसानों व व्यापारियों में बना हुआ है।

इनका कहना है

कृषि उपज मंडी में रखी डीपी जल गई है। जिसे भोपाल सुधरने भेजा गया है। कल तक बिजली चालू होने की संभावना है।

चंद्रशिवराम उइके
प्रभारी सचिव, कृषि उपज मंडी, पिपरिया।

भोपाल में आयोजित फुटबॉल मैच में दी टीमों को शुभकामनाएं

इटारसी, देशबन्धु। भोपाल रेलवे ग्राउंड पर आयोजित रेलवे स्टेशन फुटबॉल ट्रॉफी के आज हुए फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे, मुख्य शाखा के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी ने भोपाल बीएचईएल एवं स्टेशन क्षेत्र की टीम से परिचय प्राप्त किया। मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे ने बताया कि, वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा के आह्वान पर भोपाल रेलवे इंस्टिट्यूट ग्राउंड पर 8- ए साइड फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें 16 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला भेल भोपाल एवं स्टेशन क्षेत्र के मध्य हुआ। स्टेशन क्षेत्र ने भेल भोपाल पर मैदानी गोल करते हुए फाइनल ट्रॉफी पर कब्जा किया एवं खिताब जीता।

मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे एवं मुख्य शाखा इटारसी के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी ने विजेता ट्राफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान किया। इटारसी से रविंद्र चौधरी, मोहित मुंडे, गौरव, विष्णु ने प्रतियोगिता में उपस्थित होकर फुटबॉल खेल को और आगे बढ़ाया जाए ऐसी कामना की। रेलवे इंस्टीट्यूट भोपाल में कराटे सीख रहे लगभग 40 बच्चों ने नेपाल में ट्रॉफी जीतकर आए, उनका भी सम्मान किया।

राष्ट्रीय ट्रैकिंग कैंप में एमजीएम कॉलेज के राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई से 08 कैडेट्स का चयन

इटारसी, देशबन्धु। 13 एमपी एनसीसी बटालियन नर्मदापुरम से संबद्ध शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी के एनसीसी इकाई के 08 कैडेट्स का राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न ट्रैकिंग कैंप में चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राकेश मेहता, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ रश्मि तिवारी, डॉ व्हीके कृष्णा, एनसीसी ऑफिसर डॉ. मनीष चौरे, स्पोर्ट्स अधिकारी संजीव कैथवास, डॉ दिनेश कुमार, डॉ आशुतोष मालवीय, सूबेदार रामअवतार सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने चयनित कैडेट्स को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की।इस अवसर पर सीटीओ डॉ.मनीष चौरे ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर के इन कैंपों में कैडेट्स को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार किया जाता है। कैडेट्स को विभिन्न गतिविधियों में शामिल कर उनके नेतृत्व कौशल, अनुशासन, और सामाजिक एवं राष्ट्रीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देती हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से कैडेट्स को अपने कौशल को विकसित करने और नेतृत्व गुणों को मजबूत करने का अवसर मिलता है।

इन गतिविधियों में शामिल रहेंगे

सैन्य प्रशिक्षण : कैडेट्स को बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है, जिसमें ड्रिल, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, और फील्ड क्रॉफ्ट शामिल हैं।

एडवेंचर गतिविधियां : कैडेट्स को ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, पैराग्लाइडिंग, और अन्य एडवेंचर गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलता है।

सामाजिक सेवा : कैडेट्स को सामाजिक सेवा के कार्यों में शामिल किया जाता है, जैसे कि स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, और सामुदायिक विकास परियोजनाएं।

नेतृत्व विकास : कैडेट्स को नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया जाता है, जैसे कि समूह चर्चा, प्रेजेंटेशन, और टीम बिल्डिंग एक्सरसाइज।

राष्ट्रीय एकता : कैडेट्स को राष्ट्रीय एकता और एकजुटता के महत्व को समझने के लिए विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया जाता है, जैसे कि सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा।

खेल और शारीरिक गतिविधियां : कैडेट्स को विभिन्न खेलों और शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलता है, जैसे कि फुटबॉल, बास्केटबॉल, और एथलेटिक्स।

नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने रखी सफाई व्यवस्था पर पूरी नजर, सुखद मानसून के अनुभव का वादा

मानसून पूर्व नालों की सफाई में जुटी नपा, 21 मेन पाइंट पर सफाई का दावा

इटारसी, देशबन्धु। इटारसी। नगर पालिका का दावा है कि मानसून के आगमन से पहले शहर के सभी प्रमुख नालों की सघन सफाई का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। परिषद का लक्ष्य है कि मानसून की पहली बारिश से पहले सभी नालों की पूरी तरह से सफाई सुनिश्चित की जा सके, ताकि जलभराव और संबंधित समस्याओं से नागरिकों को निजात मिल सके। जानिये, नगर पालिका ने कितने नालों की सफाई की है।

आज नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने वार्ड 33 में वार्ड 32 में दोपहर में नालों की सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि जेसीबी चलाने कुछ अतिक्रमण तोड़ने पड़ें तो वह तोड़े जाएं। निरीक्षण के दौरान वार्ड 33 में पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया,

वार्ड 32 में पार्षद श्रीमती कीर्ति संजय दुबे मौजूद थीं। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि शहर में जलभराव की समस्या को रोकने यह अभियान बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने जानकारी दी कि सफाई के दौरान नालों से निकलने वाले कचरे, प्लास्टिक, और गाद को तुरंत हटाया जा रहा है, ताकि नालों में किसी भी प्रकार की रुकावट न रहे। विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जहां पिछले वर्षों में जलभराव की समस्या अधिक रही है। सफाई अभियान में नगर पालिका के स्वच्छता कर्मचारी और आवश्यक मशीनरी जैसे जेसीबी, डंपर आदि का उपयोग भी किया जा रहा है। कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। उनका कहना है कि समय रहते नालों की सफाई होने से बारिश के दौरान होने वाली असुविधाओं से बचा जा सकेगा। पिछले वर्षों में कई इलाकों में नालों के जाम होने से घरों और दुकानों में पानी घुसने की समस्या आम हो गई थी। नगर पालिका परिषद इटारसी ने उम्मीद जताई है कि इस सघन सफाई अभियान से शहर में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा और नागरिकों को एक सुखद मानसून का अनुभव मिलेगा। यह अभियान आने वाले कुछ दिनों तक जारी रहेगा। फाई के दौरान नालों से निकलने वाले कचरे, प्लास्टिक, और गाद को तुरंत हटाया जा रहा है, ताकि नालों में किसी भी प्रकार की रुकावट न रहे।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने पचमढ़ी हेलीपैड पर किया आत्मीय स्वागत

नर्मदापुरम, देशबन्धु।। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का सोमवार को नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी हेलीपैड पर आगमन हुआ। स्थानीय पचमढ़ी हेलीपैड पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह, खजुराहो सांसद वीडी शर्मा, एवं अन्य जनप्रतिनिधि गण तथा प्रशासनिक अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सुधीर शर्मा बने परशुराम जानापावा यात्रा के सचिव, बैठक में जाएंगे

हरदा, देशबन्धु। परशुराम सेना जिला प्रभारी राज शर्मा ने बताया कि समस्त ब्राम्हण संगठन शीर्ष नेतृत्व एवं संभाग एवं जिले के नेतृत्व में 15 जून 2025 परशुराम धर्म आश्रम उज्जैन में एक बैठक आयोजित हुई ।जिसमें आगामी ब्राह्मणों के प्रादेशिक एकता एवं जिले एवं संभाग के ब्राह्मणों की विभिन्न समस्या पर विचार हुआ। साथ ही 20 जुलाई 2025 महू भगवान परशुराम की जन्मस्थली पर ब्राह्मणों का प्रादेशिक सम्मेलन एवं भगवान परशुराम की जानापाव यात्रा का निर्णय लिया गया। इस जानापाव यात्रा को सफल बनाने हेतु परशुराम सेना के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुधीर शर्मा को इस यात्रा का सचिव मनोनित किया ।उनकी इस उपलब्धि पर अमन दुबे, करण दुबे, रजत त्यागी, अर्पण मिश्रा,रानू तिवारी,चंचल दुबे एवं समस्त परशुराम सेना ने बधाई दी।

एएनएम की भर्ती परीक्षा के आवेदक दस्तावेजों के परीक्षण हेतु उपस्थित हों

हरदा ,देशबन्धु। कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित समूह 5 के अंतर्गत महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता की सीधी भर्ती के लिये आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले हरदा जिले के आवेदक 23 जून से पूर्व कार्य दिवसों में सुबह 11 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय हरदा में अपने दस्तावेजों के परीक्षण के लिये उपस्थित हों। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि आवेदक अपने साथ माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा उनके पक्ष में जारी आदेश की सर्टिफाइड कॉपी लेकर अवश्य आएं।

दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र के कर्मचारी दे रहे घर पहुंच सेवा का लाभ

हरदा , देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों के माध्यम से जिले के ऐसे दिव्यांगजन जो की चलने फिरने में असमर्थ हैं और थेरेपी के लिए विभाग तक आने में असुविधा होती है, ऐसे दिव्यांगजनों को उपचार के लिये घर पहुंच सेवा का लाभ प्रदान किया जा रहा है। उपसंचालक सामाजिक न्याय कमलेश सिंह ने बताया कि ऐसे दिव्यांगजन जो चलने फिरने में असमर्थ हैं एवं दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र आने में उन्हें परेशानी होती है, ऐसे दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया जा रहा है। इन चिन्हित दिव्यांगजनों को दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की टीम घर पहुंच सेवा का लाभ दे रही है। इसी क्रम में पिछले दिनों डी.डी.आर.सी. की टीम के सदस्य फिजियो थैरेपिस्ट डॉ कौशिकी ने नेहरू स्टेडियम निवासी दिव्यांग केशव के घर जाकर उनके माता पिता को मैन्युअल थैरेपी की जानकारी दी। इसके अलावा सुश्री कंचना मकोड़े द्वारा सायकोलॉजिकल काउंसलिंग की सेवा दी गई तथा डी.डी.आर.सी. के श्री प्रेम नारायण जाट द्वारा स्पीच थेरपी की सेवा दी गई।

संबल योजना के तहत 192 हितग्राहियों को 4.26 लाख रुपये की सहायता राशि अंतरित

मुख्यमंत्री ने बेलखेड़ा से सिंगल क्लिक से डीबीटी के माध्यम से हितग्राहियों को किया सहायता राशि का वितरण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा जबलपुर जिले के ग्राम बेलखेड़ा (बरगी) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना की अनुग्रह सहायता योजना के हितग्राहियो को सिंगल क्लिक द्वारा डी0बी0टी0 के माध्यम से नर्मदापुरम जिले में 192 हितग्राहियो को 4,26 लाख रुपये की राशि वितरित की गई है। जिसमें जनपद पंचायत माखननगर, जनपद पंचायत बनखेडी, जनपद पंचायत नर्मदापुरम, जनपद पंचायत केसला, जनपद पंचायत पिपरिया, जनपद पंचायत सिवनीमालवा, जनपद पंचायत सोहागपुर, नगर पालिका नर्मदापुरम, नगर पालिका इटारसी, नगर पालिका पिपरिया, नगर पालिका सिवनीमालवा, नगर पालिका माखननगर, नगर पालिका बनखेडी, नगर पालिका सोहागपुर, पचमढी केन्ट के कुल 192 हितग्राहियो को 4,26 लाख रूपये की राशि का भुगतान किया गया है। कार्यक्रम का प्रसारण एनआईसी कक्ष में किया गया है, जिसमें नर्मदापुरम नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेन्द्र यादव, नर्मदापुरम जनपद अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे, श्रम पदाधिकारी श्रीमती वर्षा इरपाचे, श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू एवं श्रीमती ज्योति पी.ए. उपस्थित रहे।

हरदा जिले की लाडली बहनों के चेहरे पर छा गई मुस्कान

हरदा , देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को जबलपुर जिले के ग्राम बेलखेड़ा से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना की राशि हितग्राहियों के खाते में जून माह की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान प्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किस्त 1551 करोड़ 44 लाख रूपये अंतरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रूपए तथा 27 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। इसके अलावा उन्होने मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना के तहत 6 हजार 821 श्रमिक परिवारों की 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का भी सिंगल क्लिक से अंतरण किया। इस अवसर पर हरदा में जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी व योजनाओं के हितग्राही उपस्थित थे। इस दौरान राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा गया। इसके अलावा तहसील व पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किये गये।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेलखेड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जिले की 93997 महिलाओं के बैंक खातों में 11.45 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की। इस दौरान जनपद पंचायत हरदा की 23907, जनपद पंचायत खिरकिया की 23086, जनपद पंचायत टिमरनी की 26100, नगर पालिका हरदा की 11703, नगर परिषद खिरकिया की 3560, नगर परिषद सिराली की 2314 तथा नगर परिषद टिमरनी की 3327 लाड़ली बहनों के खाते में राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेलखेड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत जिले के 38489 हितग्राहियों के खाते में 2.31 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की। इस दौरान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तजन पेंशन योजना के तहत 761, वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 13627, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के तहत 4614, कन्या अभिभावक पेंशन योजना के तहत 399, दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन सहायता के तहत 833, मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन योजना के तहत 14, कल्याणी पेंशन योजना के तहत 11642, मंदबुद्धि अथवा बहुविकलांग को आर्थिक सहायता के तहत 719, वृद्धाश्रम में निवासरत अंतःवासियों को पेंशन योजना के तहत 14, सामाजिक सुरक्षा निःशक्तजन पेंशन योजना के तहत 4447, परित्यक्ता पेंशन योजना के तहत 187 तथा सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 1232 हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित की।

श्रद्धांजलि : कुछ बात तो थी वरना यूं कोई चौबे नहीं होता

हरदा, देशबन्धु। वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र चौबे के असामयिक निधन पर सोमवार को पत्रकारों द्वारा नगर पालिका सभागृह में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वरिष्ठ पत्रकार रामविलास कैरवार ने कहा हमारी सच्ची श्रद्धांजलि तभी है, जब हम खबर के दौरान या दुर्घटना के समय पीड़ित व्यक्ति की मदद कर उसे इलाज मुहैया कराएं। पत्रकार की बात सभी मानते हैं, हम अपनी बात से पीडित को हरसंभव मदद दें। वरिष्ठ पत्रकार महमूद अली चिश्ती ने श्रद्धांजलि देते हुए पत्रकार सुरक्षा एवं संरक्षण की आवश्यकता जताई। वरिष्ठ पत्रकार राजेश सोनी उर्फ मट्टू ने चौबे को पत्रकारिता के क्षेत्र में समर्पण भाव से कार्य करने वाला व्यक्तित्व बताया। युवा समाजसेवी शांति जैसानी ने सरल व मिलनसार बताया। वहीं पत्रकार अखिलेश पाराशर ने कहा कि बड़े भैया सा स्नेह प्रदान करने वाले अनुकरणीय व्यक्तित्व, मार्गदर्शक थे, उनकी खबरों में महिला सशक्तिकरण, जनजागरण, अव्यवस्थाओं पर सवाल होते थे, उनके द्वारा बनाए कार्टूनों में व्यवस्था पर तंज होता था। जिला संवाददाता संदेश पारे ने कहा कि हमने एक अच्छा मार्गदर्शक खोया है, वे सदैव हमारी त्रुटियों को सुधार कर समझाइश देते थे। पत्रकार राम नेमा ने अपने कार्यों के माध्यम उनकी यादों को बनाए रखने की बात कही। पत्रकार प्रभुदयाल धनगर ने वे रीजनल खबरों में सिद्ध हस्त थे। उनकी स्मृति बनाए रखने के लिए स्मारक बनाने की मांग की। पवन तिवारी ने परिवार के बड़े की असमय मृत्यु से अपूरणीय क्षति हुई है। यहां बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

व्यापारियों के लिये गेहूँ के स्टॉक की सीमा लागू

हरदा ,देशबन्धु। केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर 31 मार्च 2026 तक की अवधि के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा निर्धारित की है। जिला आपूर्ति अधिकारी बासुदेव भदोरिया ने बताया कि जारी अधिसूचना अनुसार व्यापारी अथवा थोक विक्रेता 3 हजार मीट्रिक टन तक गेहूं का भण्डारण कर सकते हैं। इसी प्रकार प्रत्येक रिटेल आउटलेट के लिए 10 मीट्रिक टन तथा बिग चेन रिटेलर के प्रत्येक रिटेल आउटलेट के लिये भी 10 मीट्रिक टन गेहूं के भंडारण की सीमा तय की गई है। गेहूं का यह अधिकतम स्टॉक होगा जो उनके सभी रिटेल आउटलेट और डिपो पर एक साथ रखा जा सकता है। इसी प्रकार प्रोसेसर मासिक स्थापित क्षमता के 70 प्रतिशत मात्रा को 2025-26 के शेष महीनों से गुणा के बराबर स्टॉक रख सकेंगे। सभी संबंधित इकाईयों को अपने स्टॉक की स्थिति की घोषणा सार्वजनिक वितरण विभाग के विभागीय पोर्टल पर करना होगा तथा भण्डारण निर्धारित स्टॉक सीमा से अधिक होने पर निर्धारित सीमा तक लाना होगा।

धरती आबा अभियान के तहत 30 जून तक गांव-गांव में लगेंगे शिविर

हरदा , देशबन्धु। ,जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और शासकीय योजनाओं के समावेशी लाभ वितरण को दृष्टिगत रखते हुए 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत हरदा जिले में 15 से 30 जून तक विकास शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ लक्षित हितग्राहियों को प्रदान करना है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के कुल 103 ग्रामों का चयन किया गया है, जिसमें हरदा विकासखंड के 18 ग्राम, टिमरनी विकासखंड के 44 ग्राम तथा खिरकिया विकासखण्ड के 41 ग्राम शामिल हैं। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग डॉ. कविता आर्य ने बताया कि धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के तहत 16 विभागों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर 399.28 करोड़ रूपये की कार्ययोजना तैयार कर संचालक आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं को प्रेषित की गई है। राशि स्वीकृत होने पर इन 103 ग्रामों में विकास कार्य कराये जायेंगे। जिला संयोजक डॉ. आर्य ने बताया कि इन 103 गांवों में शिविर लगाकर ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। शिविरों के माध्यम से 18 विभागों की प्रमुख योजनाओं का लाभ आमजन को एक ही स्थल पर उपलब्ध कराया जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्थानीय स्वयंसेवक एवं विभागीय अमले के सहयोग से ग्राम स्तर पर वंचित पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा।

खेल विभाग के पुरस्कारों के लिये 31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

हरदा, देशबन्धु।, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा म.प्र. खेल पुरस्कार-2025 अंतर्गत एकलव्य, विक्रम, विश्वामित्र, प्रभाष जोशी एवं लाइफ-टाइम एचीवमेंट पुरस्कार के लिये ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई, 2025 तक आमंत्रित किये जा रहे हैं। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सुश्री उमा पटेल ने बताया कि पुरस्कार के लिये पात्रता, पुरस्कार राशि एवं अन्य शर्तें विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इच्छुक आवेदक विभागीय वेबसाइट पर दी गई लिंक अथवा प्ले-स्टोर से खेल और युवा कल्याण के ''अनुदान'' एप डाउनलोड करके भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करने के बाद पंजीयन क्रमांक अंकित आवेदन की प्रति के साथ खेल प्रमाण-पत्र एवं अन्य अभिलेख की छायाप्रति संबंधित जिले के जिला खेल और युवा कल्याण कार्यालय या फिर संचालनालय खेल और युवा कल्याण, टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल में 31 जुलाई, 2025 तक जमा करना अनिवार्य होगा। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन-पत्र खेल पुरस्कार के लिये मान्य नहीं किये जायेंगे।

अपने संकल्पों पर जो अडिग रहता है वह निश्चित ही उच्च पद को प्राप्त करता हैं : मुनि सागर जी महाराज

हरदा, देशबन्धु। जो भी प्राणी अपने संकल्पों और नियमों पर अडिग रहता है वो निश्चित ही उच्च पद को प्राप्त करता है। भगवान महावीर स्वामी ने अपने पूर्व भव में लिए एक नियम का दृढ़ता से पालन किया तो अगले भव में मोक्ष प्राप्त होकर तीर्थंकर बने। उक्त उद्बोधन मुनि श्री 108 निर्णय सागर जी महाराज ने टिमरनी नगर में चल रहे श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के तीसरे दिन आयोजन स्थल अमृतश्री कॉलेज परिसर में श्रावकों को संबोधित करते हुए कहें।

मुनिश्री ने कहा कि वर्तमान परिवेश में संस्कारों का अत्यधिक महत्व बढ़ गया है । परिवार से मिले संस्कार मानव को सदकार्यों के लिए प्रेरित करते हैं । पारिवारिक संस्कार हमें गलत दिशा में जाने से रोकते हैं इसीलिए परिवार को प्रथम पाठशाला कहा जाता है । परिवार में गर्भकाल के समय से ही संस्कार देने की परंपरा के चलते ही बच्चों में शालीनता और उच्च स्तरीय मानसिकता का विकास होता है । टिमरनी नगर में पाषाण निर्मित जिनालय एवं भगवान श्रीपारसनाथ की बेदी प्रतिष्ठा एवं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नगर में जैन समाज द्वारा सात दिवसीय बृहद पंचकल्याणक महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।

पंचकल्याणक महोत्सव में विधायक आर के दोगने, अभिजीत शाह ने पहुंच कर मुनिश्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया । नगर पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज सहित काफी जनप्रतिनिधि भी पधारे। इस अवसर पर दोनों विधायगणों ने श्रृद्धालुओं के एक - एक दिन के भोजन के पुर्ण्याजक बनने का सौभाग्य प्राप्त किया ।

सौधर्म इंद्र का सजा दरबार, इंद्र-इंद्राणियों की शंका का हुआ समाधान

पंचकल्याणक आयोजन के तहत संध्याकालीन महाआरती के पश्चात सौधर्म इंद्र के दरबार का मंचन किया गया जिसमें सौधर्म इंद्र के द्वारा इंद्र इंद्राणियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब देकर उनकी शंका का निराकरण किया गया । इस दौरान अष्टकुमारीयां बनी युवतियों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया ।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर उत्साह आयुष विभाग ने योगाभ्यास किया, समझाया

नर्मदापुरम, देशबन्धु। आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम हेतु निर्धारित थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग का आयोजन योग पार्क गतिविधि के अंतर्गत पूर्व योगाभ्यास कार्यक्रम आज सोमवार को नेहरू पार्क, नर्मदापुरम में प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया गया।

जिसमें अंतरराष्ट्रीय योगदिवस के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार सभी योग मुद्राओं, आसनों का योगाभ्यास योगा ट्रेनर एवं योग प्रशिक्षक नरेंद्र गौर, कमलेश गौर, रघुवीर सिंह राजपूत, मुकेश मालवीय, नंदकिशोर रघुवंशी, जयंत रावत, पवन रैकवार ,कु.शिक्षा नागर ,कु.मेघा कौशिक,कु.प्राची यादव ,श्रीमती वर्षा यादव द्वारा कराया गया, यह आयोजन जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आयुष विभाग नर्मदापुरम द्वारा किया गया ।

जिला आयुष अधिकारी डॉ.विमला गढ़वाल के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का पूर्वाभ्यास डॉ.एस.आर. करोंजिया कार्यक्रम नोडल अधिकारी के नेतृत्व में डॉ.अक्षय जैन, डॉ.अशोक पुष्कर, डॉ.सविता पुष्कर, डॉ.ललिता उइके एवं आयुर्वेद चिकित्सालय व आयुष विंग के समस्त स्टाफ शामिल हुए। इस योगभ्यास कार्यक्रम में कई सामाजिक कार्यकर्ताओं व आमजनों सहित कुल 107 लोगों द्वारा योगाभ्यास कर कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

चोहटा में एक हफ्ते से चल रहे मतभेद का समाधान, एक-दूसरे को खिलाई मिठाई

पेसा एक्ट की शांति समिति की पहल से सुलझा विवाद

बैतूल, देशबन्धु। जनपद पंचायत भीमपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चोहटापोपटी के ग्राम चोहटा में बीते एक सप्ताह से आदिवासी और हरिजन समुदाय के बीच पारंपरिक देव चंदा को लेकर मतभेद चल रहा था। इस विवाद को ग्राम पंचायत स्तर पर सामुदायिक चौपाल में सुलझाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। अंततः 13 जून को दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों, ग्रामवासियों एवं गणमान्य नागरिकों को एकत्र कर पंचायत परिसर में बैठक आयोजित की गई।

इस विवाद को सुलझाने में ग्राम पंचायत की ओर से सरपंच रामकिशोर धुर्वे की अहम भूमिका रही। पेसा एक्ट के तहत गठित शांति समिति की पहल से विवाद सुलझा लिया गया। शांति समिति के अध्यक्ष लालमन डिकारे के नेतृत्व में एवं सामाजिक कार्यकर्ता जेडी पाटील, बीएल मासोदकर की उपस्थिति में दोनों पक्षों को समझाइश दी गई। प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर बैतूल, तहसीलदार भैसदेही, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भीमपुर एवं भीमपुर चौकी प्रभारी के मार्गदर्शन में यह समझौता शांतिपूर्वक संपन्न कराया गया।

समझौते के अंत में दोनों समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर, गले लगाकर आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की और भविष्य में इस तरह का विवाद न होने का आश्वासन दिया। मौके पर मौजूद सरपंच एवं पंचायत सचिव ने स्पष्ट किया कि यह विवाद पूरी तरह सामान्य था और किसी प्रकार की सार्वजनिक सेवा रोकने जैसी कोई घोषणा नहीं की गई थी। इस समन्वयात्मक समाधान से गांव में फिर से शांति का वातावरण स्थापित हो गया है और दोनों समुदायों ने मिलकर परंपरा और सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

लायंस क्लब में कार्यकारिणी की घोषणा की, कई पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई

बैतूल, देशबन्धु। लायंस क्लब बैतूल सिटी की वर्ष 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा में प्रथम उपाध्यक्ष एमजेएफ लायन नीरजा श्रीवास्तव और द्वितीय उपाध्यक्ष लायन डॉ. संतोष जैसवाल को नियुक्त किया गया है। सह सचिव लायन प्रीति अग्रवाल और सह कोषाध्यक्ष लायन नीलम दुबे को बनाया गया है। प्रमुख समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति इस प्रकार की गई है, मेंबरशिप चेयरपर्सन एमजेएफ लायन रविंद्र कौर बग्गा, सर्विस ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन डॉ. के. पी. पाटणकर, एलसीआईएफ चेयरपर्सन एमजेएफ लायन के. आर. देशमुख, मार्केटिंग चेयरपर्सन लायन राजेश कारे, हंगर ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन अर्चना अग्रवाल, दृष्टि ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन डॉ. वसंतकुमार श्रीवास्तव, डायबिटीज़ ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन संगीता अवस्थी, चाइल्डहुड कैंसर ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन अतुल गोठी, एनवायरनमेंट चेयरपर्सन लायन भगवंत बोहरपी, परमानेंट ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन अनिल दुबे, ई-वेस्ट मैनेजमेंट चेयरपर्सन लायन राहुल पटेल, ब्लड डोनेशन चेयरपर्सन लायन नीरज गलफट, पीस पोस्टर प्रतियोगिता चेयरपर्सन एमजेएफ लायन निर्मला डागा तथा को चेयरपर्सन लायन साधना हेंड, स्वास्थ्य ऐक्टिविटी चेयरपर्सन लायन डॉ. पुनीत श्रीवास्तव, पब्लिक रिलेशन ऑफिसर लायन विवेक पटेल, ग्रीटिंग चेयरपर्सन लायन नीलम दुबे और एंटरटेनमेंट कमेटी चेयरपर्सन लायन कमलजीत सिंह बग्गा को बनाया गया है।

नर्मदापुरम, मंगलवार 17 जून 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

इजरायल-ईरान के बीच अमेरिका

इजरायल और ईरान के बीच पिछले चार दिनों से चल रही जंग और तेज होती जा रही है, और ऊटपटांग बयानों की रफ्तार भी बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह इजरायल और ईरान के बीच उसी तरह का समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं जैसा समझौता उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मई में सैन्य टकराव के दौरान कराया था। हालांकि ट्रंप ये भी कह रहे हैं कि ईरान पर हमले में अमेरिका शामिल नहीं है, इसलिए ईरान किसी अमेरिकी ठिकाने को निशाना बनाने की गलती न करे। अगर ईरान ने ऐसा किया तो अमेरिका उसे ऐसा सबक सिखाएगा, जिसकी उसने कल्पना नहीं की होगी। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान का इस्लामी शासन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना सबसे बड़ा खतरा मानता है और उसने उनकी हत्या की भी कोशिश की थी। ईरान के साथ टकराव में खुद को ट्रंप का जूनियर पार्टनर बताते हुए नेतन्याहू ने कहा कि दोनों नेता तेहरान के परमाणु हथियार विकसित करने की कोशिशों के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं।

डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू के बयान असल में मनोवैज्ञानिक तरीके से बढ़त बनाने की कोशिश लग रही है। क्योंकि इजरायल के बड़े हमलों के बावजूद ईरान को झुकाया नहीं जा सका है और न ही उसके परमाणु किले को भेदने में इजरायल को कोई सफलता अब तक मिली है। ईरान के फोर्डो परमाणु संयंत्र तक इजरायल किसी भी तरह न पहुंच पा रहा है, न उसे नष्ट कर पा रहा है। यह संयंत्र मध्य ईरान में एक पहाड़ी के अंदर बना है। इसकी बनावट ने इसे एक किले की तरह अभेद्य बना दिया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के बेस में बने इस संयंत्र को तोड़ने के लिए शक्तिशाली बंकर बस्टर बमों की जरूरत है, जिसे अमेरिकी बी-2 बॉम्बर्स से गिराया जा सकता है, इजरायल के पास यह अभी नहीं है, इसलिए वह चाहता है कि किसी भी तरह अमेरिका इस युद्ध में सीधे तौर पर शामिल हो जाए।

इजरायल ने परमाणु हथियार को बहाना बनाकर ईरान पर हमला बोला है। हालांकि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर कहा है कि उनका इरादा परमाणु हथियार बनाने का नहीं है। याद कीजिए अमेरिका ने इराक पर विनाशकारी हथियार होने का आरोप लगाते हुए इसी तरह हमला किया था, सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया, लेकिन वो हथियार इराक से कभी बरामद ही नहीं हुए, क्योंकि थे ही नहीं। अब ईरान के साथ ऐसा ही करने की कोशिश हो रही है। लेकिन यहां अमेरिका इजरायल का साथ देगा तो फंस जाएगा। क्योंकि इस साल मार्च में अमेरिका की राष्ट्रीय ख़ुफ़िया निदेशक तुलसी गबार्ड ने अमेरिकी कांग्रेस को बताया था कि ईरान का 'समृद्ध यूरेनियम भंडार' अपने उच्चतम स्तर पर है लेकिन उन्होंने ये भी कहा था कि अमेरिकी ख़ुफ़िया तंत्र के आकलन के अनुसार ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है क्योंकि ईरान के सर्वोच्च नेता ने परमाणु हथियार कार्यक्रम को अधिकृत नहीं किया है। वहीं अमेरिका में आर्म्स कंट्रोल एसोसिएशन में परमाणु अप्रसार नीति की निदेशक केल्सी डेवनपोर्ट ने कहा, 'अगर नेतन्याहू के पास परमाणु प्रसार के ख़तरे की जानकारी होती, तो वो उसे अमेरिका के साथ साझा करते। लेकिन अब तक उन्होंने कोई ठोस सबूत नहीं दिए हैं।'

वैसे पिछले हफ़्ते आईएईए की रिपोर्ट में कहा गया था कि ईरान ने 60फीसदी शुद्धता तक समृद्ध यूरेनियम जमा कर लिया है। एजेंसी के अनुसार अगर ये स्तर 90फीसदी तक पहुंचा तो तकनीकी तौर पर इससे नौ परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। इसलिए, इजरायल को अगर सचमुच ईरान को परास्त करना है तो उसे किसी भी तरह फोर्डो को ध्वस्त करना होगा, अगर वो इस में नाकाम रहता है तो अब तक ईरान को जितना नुकसान हुआ है, उसके बावजूद उसे झुकाना मुश्किल होगा। इजरायल किसी भी तरह अमेरिका को साथ लेना चाहता है, लेकिन ट्रंप राजनेता से पहले व्यापारी हैं तो वह अपना मुनाफा देखकर ही ईरान के साथ युद्ध में उलझेंगे। अभी तो इजरायल का अघोषित पार्टनर बनकर ही काम चल रहा है।

ईरान को रूस और चीन का साथ तो मिल ही चुका है, पाकिस्तान ने सारे इस्लामिक देशों को ईरान के साथ खड़े होने का आह्वान किया है। इधर कतर और ओमान को ईरान ने साफ कर दिया है कि इजरायली हमले का जवाब देने के बाद ही सीज़फायर पर बात हो सकती है। इस संदेश से साफ है कि ईरान पूरी ताकत से दुनिया के शक्तिशाली देशों के सामने खड़ा है। जिस तरह गरीब वियतनाम ने अरबों रूपए युद्ध में लगाने वाले अमेरिका को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था क्या वही इतिहास एक बार फिर दोहराया जाएगा, यह देखना होगा। वैसे तो यूक्रेन भी रूस के साथ जंग जारी रखे हुए है, लेकिन यूक्रेन को अमेरिका और पश्चिमी देशों का समर्थन मिल रहा है। मगर ईरान समय अकेला डटा हुआ है और अब यमन के हूती विद्रोही भी इजरायल पर हमला बोलकर ईरान का साथ दे रहे हैं। गज़ा को खत्म करने की सनक में इजरायल पहले ही काफी नरसंहार कर चुका है और इसके खिलाफ इजरायली जनता में भी नाराजगी है। और अभी तो इजरायल की राजधानी समेत हाईफा जैसे व्यापार के लिहाज से प्रमुख शहरों पर ईरान के हमले हो रहे हैं तो इसका असर इजरायल की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ेगा। अडानी जैसे जिन व्यापारियों के अरबों डॉलर इजरायल में लगे हुए हैं, वे आखिर कब तक इन नुकसान को बर्दाश्त कर पाएंगे। जाहिर वे इजरायल और अमेरिका पर दबाव बनाएंगे।

तो कुल मिलाकर इस समय इजरायल और अमेरिका दोनों की हालत ईरान के सामने बिगड़ रही है। हालांकि ईरान को भी इजरायल के हमलों में बड़े नुकसान हो चुके हैं, उसके कई परमाणु वैज्ञानिकों की जान इजरायल ले चुका है। इजरायल ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई को भी निशाने पर लेने जा रहा था, लेकिन अमेरिका की चेतावनी के बाद इजरायल ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। क्योंकि अमेरिका जानता है कि खामेनेई को अगर कुछ हुआ तो इसका व्यापक असर इस्लामिक देशों के साथ उसके संबंध पर पड़ेगा।

दुनिया में मित्रविहीन क्यों होता जा रहा है भारत?

राजेंद्र शर्मा

> स्वाभाविक रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रचंड बहुमत से गज़ा के खिलाफ जंग बंद किए जाने का प्रस्ताव स्वीकार किया। 149 देशों ने प्रस्तावे के समर्थन में वोट किया, जबकि इजरायल तथा अमेरिका समेत कुल 12 देशों ने प्रस्ताव खिलाफ वोट किया। लेकिन पूरी तरह से अप्रत्याशित न होते हुए भी बहुतों को हैरान करते हुए, भारत ने उन 18 अन्य देशों के साथ वोट किया, जिन्होंने खुद को इस प्रस्ताव पर मतदान से अलग रखे जाने के लिए मतदान किया था।

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि करीब पांच दर्जन सांसदों तथा कूटनीतिज्ञों के सात दलों के 33 देशों के दौरे से भी, कम से कम विदेश नीति के मामले में मोदी सरकार ने कोई सबक नहीं लिया लगता है। यह तब है जब जैसा कि आम तौर पर सभी जानते भी हैं और मानते भी हैं, 7 से 10 मई के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सैन्य झड़पों की पृष्ठभूमि में मोदी सरकार को, जो राजनीति में उभयपक्षीयता के विचार से सिर्फ कोसों दूर ही नहीं है, एक प्रकार से इस तरह की परंपराओं की शत्रु ही बनी रही है, दुनिया भर में इन बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को भेजने की जरूरत इसीलिए महसूस हुई थी कि, उक्त टकराव के संदर्भ में भारत की विदेश नीति पूरी तरह से विफल रही थी। जैसाकि सभी ने दर्ज किया था, मोदी राज की विदेश नीति के 11 साल का हासिल यही था कि छोटे से बड़ा तक और विकसित से पिछड़ा तक, दुनिया का एक भी देश इस टकराव में स्पष्ट रूप से भारत का पक्ष लेने के लिए सामने नहीं आया था। और तो और रूस जैसा भारत का सदाबहार मददगार और समर्थक तक, दुविधाग्रस्त नजर आ रहा था। बाकी सारी दुनिया को छोड़ भी दें तो हमारा एक भी पड़ौसी देश, दक्षिण एशिया का कोई भी देश, भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ था। अलबत्ता, अफगानिस्तान ही इस मामले में अपवाद साबित हुआ था, जहां की तालिबान सरकार के साथ बढ़ती नजदीकियों के बावजूद, भारत अब तक उसे कूटनीतिक मान्यता देने की हिकमत नहीं जुटा पाया है।

इस कूटनीतिक आउटरीच कार्यक्रम के बाद, इन बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से प्रधानमंत्री मोदी ने बहुप्रचारित मुलाकात भी की थी। इस मुलाकात के संबंध में प्रेस में आए कुछ ब्यौरों में, प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों द्वारा इन दौरों में बने अपने इंप्रैशन बेलाग तरीके से प्रधानमंत्री से साझा किए जाने के जोर-शोर से दावे किए गए हैं, हालांकि विवरणों पर प्राय: चुप्पी साध ली गयी है। फिर भी यह मानने का कोई कारण नहीं है कि कम से कम राजनीतिक राय के इंद्रधनुष के अधिकांश रंगों का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों ने सारे संकोच के बावजूद, इन विदेश दौरों के अपने वास्तविक इंप्रैशन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, कम से कम इशारतन, प्रधानमंत्री से साझा नहीं किए होंगे। इनमें इसे समझने के लिए कुछ-न-कुछ संकेत भी जरूर रहे होंगे कि आंतकवाद जैसे मुद्दे पर भी भारत आज दुनिया में इतना अलग-थलग क्यों है? लेकिन, प्रधानमंत्री की उक्त बैठक के बाद का मोदी सरकार का प्रकट कूटनीतिक आचरण यही दिखाता है यह सरकार न कुछ भी न सीखने को तैयार है और न रत्तीभर बदलने को।

उक्त प्रतिनिधिमंडलों की स्वदेश वापसी के फौरन बाद, मोदी सरकार की कूटनीति की महत्वपूर्ण परीक्षा एक नहीं दो अलग-अलग किन्तु परस्पर जुड़े हुए मामलों में हुई। इनमें से पहला मामला इजरायली नरसंहार की शिकार गज़ा की जनता की प्राण रक्षा के लिए, तुरंत युद्धविराम कराने के संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव का था। गज़ा पर दो साल से ज्यादा से जारी इजरायली हमलों में साठ हजार से ज्यादा असैनिक मारे जा चुके हैं, जिनमें बहुमत बच्चों और महिलाओं का ही है। इस नरसंहारकारी युद्ध में इजरायल सिर्फ हवाई हमलों से लेकर जमीनी चढ़ाई तक, सैन्य हथियारों का ही इस्तेमाल नहीं कर रहा है बल्कि घेरेबंद गज़ा में न्यूनतम आपूर्तियां तक पहुंचने के रास्ते बंद करने के जरिए, भूख को समान रूप से घातक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है और गज़ावासियों को सामूहिक दंड के रूप में भुखमरी में धकेल रहा है। हैरानी की बात नहीं है कि विश्व न्यायिक मंचों ने इस मामले में इजरायल को युद्ध अपराधों का दोषी तक करार दिया है।

स्वाभाविक रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रचंड बहुमत से गज़ा के खिलाफ जंग बंद किए जाने का प्रस्ताव स्वीकार किया। 149 देशों ने प्रस्तावे के समर्थन में वोट किया, जबकि इजरायल तथा अमेरिका समेत कुल 12 देशों ने प्रस्ताव खिलाफ वोट किया। लेकिन पूरी तरह से अप्रत्याशित न होते हुए भी बहुतों को हैरान करते हुए, भारत ने उन 18 अन्य देशों के साथ वोट किया, जिन्होंने खुद को इस प्रस्ताव पर मतदान से अलग रखे जाने के लिए मतदान किया था। भारत का यह रुख इसलिए और भी हैरान करने वाला था कि इससे पहले भारत ने, दो साल पहले इसी तरह के जंगबंदी के संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया था। यह समझना वाकई तर्क से परे था कि संयुक्त राष्ट्र संघ के पिछले और इस ताजातरीन प्रस्ताव के बीच ऐसा क्या बदल गया था, जो मोदी का भारत जंगबंदी की मांग का समर्थन करना छोड़कर, इस मांग पर तटस्थता का रुख अपनाने पर आ गया था! बेशक, गज़ा के खिलाफ इजरायली सैन्य कार्रवाइयों की शुरूआत से ही मोदी सरकार, फिलिस्तीन के समर्थन के भारत के परंपरागत रुख के विपरीत, जिसकी जड़ें भारत के अपने साम्राज्यवादविरोधी स्वतंत्रता संग्राम में थीं, आमतौर पर इजरायलपरस्त रुख ही अपनाए रही है। लेकिन, गज़ा में नरसंहार रोके जाने पर भी तटस्थ हो जाने की हद तक इजरायलपरस्ती तो, मोदी सरकार के मानकों के हिसाब से भी नयी ही है। कहने की जरूरत नहीं है कि अपनी इस पल्टी से भारत ने खुद को दुनिया भर से, जिसमें जाहिर है कि सबसे बड़ी संख्या विकासशील देशों की ही है, अलग ही कर लिया। यहां तक कि भूटान जैसे देश ने भी भारत से भिन्न रुख अपनाते हुए, प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया।

इसके फौरन बाद, मोदी राज की विदेश नीति की दूसरी परीक्षा भी हो गयी। इस परीक्षा का भी संबंध इजरायली आक्रामकता से था, जिसका प्रदर्शन इजरायल पश्चिमी विकसित दुनिया के पूरे-पूरे समर्थन के बल पर ही करता आया है। गज़ा के खिलाफ अपने नरसंहारकारी हमले के बीच, इजरायल ने अचानक ईरान पर सैकड़ों जंगी जहाजों, ड्रोनों और मिसाइलों से हमला कर दिया। इस हमले में ईरानी सेना के कुछ शीर्ष नेताओं तथा देश के कई प्रमुख नाभिकीय वैज्ञानिकों समेत सैकड़ों लोग मारे गए। इनमें से अनेक की टार्गेट कर के हत्याएं की गयी थीं, जिसमें इजरायल को खास महारत हासिल है। स्वाभाविक रूप से, ईरान ने इस हमले का जवाब देने का ऐलान किया है और इससे दोनों के बीच व्यापक लड़ाई छिड़ सकती है।

इजरायल ने यह हमला इसके नाम पर किया है कि वह ईरान को नाभिकीय हथियार बनाने से रोकना चाहता है और इसलिए उसके नाभिकीय प्रतिष्ठान पर हमला किया गया है। लेकिन, इजरायल को जो पश्चिम की कृपा से नाभिकीय हथियार लिए बैठा है, इसके नाम पर हमला करने का अधिकार किसने दिया है? फिर यह बहाना भी कितना झूठा है, इसका अंदाजा एक इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि यह हमला, ठीक ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के प्रश्न पर ही, अमेरिका और ईरान के बीच जारी वार्ताओं के बीच में किया गया है, जब दोनों के बीच पांच दौर की वार्ता हो चुकी थी और छठे दौर की वार्ता अगले ही दिन होनी थी। इस हमले में ईरानी पक्ष के वार्ताकारों की चुन-चुनकर हत्या कर दी गयी। हैरानी की बात नहीं है कि इस हमले की व्यापक रूप से निंदा हो रही है। लेकिन, शंघाई सहयोग संगठन ने, जिसका भारत पूर्ण सदस्य है, जब इस इजरायली हमले की निंदा के एक प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बैठक बुलाई, मोदी के भारत ने इस बैठक से ही खुद को अलग कर लिया। इस सबके बाद, 'ग्लोबल साउथ' यानी विकासशील दुनिया का 'प्रवक्ता' होने के भारत के दावे, एक भद्दा मजाक ही लगते हैं।

बेशक, यह महज इजरायल प्रेम का ही मामला नहीं है। मोदी राज के इजरायल प्रेम का सीधा संबंध, इजरायल की पीठ पर अमेरिका समेत समूची साम्राज्यवादी दुनिया का हाथ होने से है। मोदी राज की विदेश नीति की मुख्य पहचान, जो उसे भारत की स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और आजादी के बाद के पांच दशक से ज्यादा की भारत की विदेश नीति से बुनियादी तौर पर अलग करती है, उसका भारत को साम्राज्यवादी मंसूबों का जूनियर पार्टनर बना देना है। यह दूसरी बात है कि मोदी राज के इजरायल प्रेम में, अमेरिका समेत साम्राज्यवादी ताकतों के प्रेम के अलावा एक तत्व और भी शामिल है, जो इस विदेश नीति को उसकी घरेलू नीति का प्रत्यक्ष विस्तार बनाता है। यह तत्व है, मुस्लिमविरोध, जो संघ-भाजपा के मुस्लिम विरोध का दोस्ताना, इजरायली यहूदीवादियों के इस्लामविरोध से जोड़ता है।

इसी सब के चलते, मोदी राज के 11 साल में, खासतौर पर विकासशील दुनिया में, भारत की नैतिक प्रतिष्ठा ध्वस्त हो गयी है। जो भारत कभी गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से विकाशील दुनिया की सबसे भरोसेमंद आवाज हुआ करता था, अब अपने मुंह से विकासशील दुनिया की ओर से बोलने के दावे भले ही करे, विकासशील देश उस पर रत्तीभर विश्वास नहीं करते हैं। दूसरी ओर, पश्चिम की पंगत में किसी तरह शामिल होने के लालच में विकासशील दुनिया के हितों की ओर से मुंह मोड़ने के ईनाम के तौर पर उसे निचली मेजों के न्यौते जरूर मिल रहे हैं, लेकिन वहीं तक जहां तक सामराजी मंसूबों के लिए उसका उपयोग है। दूसरी ओर, मोदी राज में देश में जो कुछ हो रहा है और खासतौर पर धर्मनिरपेक्षता समेत सभी प्रमुख पहलुओं से जिस तरह जनतंत्र का त्याग किया जा रहा है, वह विकासशील दुनिया के साथ-साथ, पश्चिम की इस बारात में भी उसकी उपस्थिति को असहज और असामान्य बनाता है। जिसका पता अनेकानेक सूचकांकों पर भारत के खराब प्रदर्शन से चलता है। नतीजा यह कि विश्व समुदाय में भारत का कद घटता जा रहा है और उसके मित्रों का दायरा तेजी से सिकुड़ता जा रहा है।

जैसे-तैसे कर के जी-7 के आउटरीच कार्यक्रम का न्यौता हासिल करने और शर्तों पर न्यौता हासिल करने के बाद, नरेंद्र मोदी जिस तरह लपक कर कनाडा समेत तीन देशों की पांच दिन की यात्रा पर रवाना हुए हैं, वह यही दिखाता है कि वर्तमान शासन में विदेश नीति, विदेश में नरेंद्र मोदी की छवि चमकाने का औजार भर बनकर रह गयी है, ताकि विश्व नेता की इस छवि के प्रतिबिंबन से, देश के लोगों को चकाचौंध किया जा सके। ऐसी विदेश नीति से ज्यादा समय तक तो विदेश में राष्ट्रीय गोदी पूंजीपति के हितों तक को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है, भारत जैसे विशाल देश के हितों को आगे बढ़ाने का तो सवाल ही कहां उठता है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल यातायात पर ईरान क्या करेगा?

■ के रवींद्रन

ईरान पर इजरायल के हमले ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक परिचित तनाव को फिर से जगा दिया है, जिससे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर चली गयीं। अब विश्लेषकों और रणनीतिकारों द्वारा तैयार किये जा रहे कई परिदृश्यों में से एक सबसे अधिक महत्वपूर्ण है: क्या ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को निशाना बनायेगा? फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से अलग करने वाला यह संकीर्ण जलमार्ग लंबे समय से वैश्विक तेल व्यापार में सबसे महत्वपूर्ण चोकपॉइंट माना जाता है। लगभग 120लाख बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन इससे होकर गुजरता है-जो वैश्विक खपत का 20 प्रतिशत से अधिक है। इस मात्रा का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा एशिया से जुड़ा है, जो भारत और चीन से लेकर जापान और दक्षिण कोरिया तक क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की ऊर्जा जीवन रेखाओं को बनाये रखने में जलडमरूमध्य की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित करता है।

> जो बात वर्तमान परिदृश्य को और अधिक अनिश्चित बनाती है, वह यह है कि जलडमरूमध्य के लिए उपलब्ध विकल्प सीमित और पूर्ण प्रवाह निरंतरता बनाये रखने के लिए अपर्याप्त हैं। सऊदी अरब ईस्ट-वेस्ट पाइप लाइन का संचालन करता है, जो पूर्वी प्रांत से तेल को लाल सागर तक ले जाता है, जो जलडमरूमध्य को पूरी तरह से दरकिनार कर देता है। इसी तरह, यूएई हबशान-फ़ुजैरा पाइप लाइन का उपयोग करता है, जिससे कुछ तेल होर्मुज से गुज़रे बिना वैश्विक बाजारों तक पहुंच जाता है।

अभी तक, बाजार की भावना सतर्क हिचकिचाहट की स्थिति में प्रतीत होती है। कीमतों में उछाल सार्थक रहा है, लेकिन अव्यवस्थित नहीं, मुख्यत: इसलिए क्योंकि ईरान की प्रतिक्रिया अभी भी अनिश्चित है। यदि इतिहास कोई मार्गदर्शक है, तो ईरान इजरायली सैन्य स्थलों या क्षेत्रीय प्रॉक्सी को लक्षित करके एक सुनियोजित जवाबी कार्रवाई का विकल्प चुन सकता है, जिससे व्यापक टकराव से बचा जा सके। इस तरह के कदम, सुर्खियां बटोरने के बावजूद, आमतौर पर तेल की कीमतों में केवल अल्पकालिक उछाल लाते हैं।

लेकिन इस बार, गणित अलग लगता है। अगर ईरान सऊदी अरब या यूएई में तेल के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर, या होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने या बाधित करने का प्रयास करके- तो तेल की कीमतें बहुत अधिक अस्थिर चरण में प्रवेश कर सकती हैं। ये सैद्धांतिक जोखिम नहीं हैं। ईरान के पास जलडमरूमध्य को बंद करने की धमकी देने का एक लंबा रिकॉर्ड है, और हालांकि यह कभी भी पूरी तरह से सफल नहीं हुआ है, लेकिन इसकी पिछली कार्रवाइयों - मिसाइल लॉन्च से लेकर तेल टैंकरों को जब्त करने तक- ने साबित कर दिया है कि इसमें महत्वपूर्ण व्यवधान और अनिश्चितता पैदा करने की क्षमता है।

जो बात वर्तमान परिदृश्य को और अधिक अनिश्चित बनाती है, वह यह है कि जलडमरूमध्य के लिए उपलब्ध विकल्प सीमित और पूर्ण प्रवाह निरंतरता बनाये रखने के लिए अपर्याप्त हैं। सऊदी अरब ईस्ट-वेस्ट पाइप लाइन का संचालन करता है, जो पूर्वी प्रांत से तेल को लाल सागर तक ले जाता है, जो जलडमरूमध्य को पूरी तरह से दरकिनार कर देता है। इसी तरह, यूएई हबशान-फ़ुजैरा पाइप लाइन का उपयोग करता है, जिससे कुछ तेल होर्मुज से गुज़रे बिना वैश्विक बाजारों तक पहुंच जाता है। हालांकि, ये मार्ग एक साथ केवल लगभग 60 लाख बैरल प्रतिदिन संभालते हैं - जो आमतौर पर जलडमरूमध्य से गुजरने वाली मात्रा का बमुश्किल आधा है। इस प्रकार कोई भी लंबे समय तक व्यवधान एक बड़ी बाधा उत्पन्न करेगा, जिससे रिफाइनर, व्यापारी और सरकारें रणनीतिक भंडारों को कम करने या वैकल्पिक स्रोतों के लिए संघर्ष करने के लिए मजबूर होंगी, जिससे कीमतें तेजी से बढ़ेंगी।

इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति चुनौती को और बढ़ा देती है। जलडमरूमध्य का सबसे संकरा बिंदु केवल 21 मील चौड़ा है, जिसमें शिपिंग लेन दोनों दिशाओं में केवल दो मील चौड़ी हैं। यह ओमान के साथ साझा है, लेकिन ईरान की निकटता और इसके उत्तरी तटों पर नियंत्रण इसे जल पर काफी प्रभाव डालने की अनुमति देता है। ईरान ने पहले टैंकरों को अपने जल में गलत दिशा में ले जाने के लिए जीपीएस सिग्नल जाम करने जैसी रणनीति का इस्तेमाल किया है, साथ ही जहाजों को परेशान करने या जब्त करने के लिए तेज़ नावों को तैनात किया है - ऐसे कदम जो जरूरी नहीं कि तेल के प्रवाह को रोकें लेकिन यात्रा को जोखिम भरा और अधिक महंगा बनाते हैं। शिपमेंट पर बीमा प्रीमियम बढ़ता है, और इसी तरह चार्टर दरें और माल ढुलाई लागत भी बढ़ती है, जो सभी वैश्विक तेल के लिए बढ़ती लागत आधार में योगदान करते हैं।

जटिलता की एक और परत क्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिक बलों की उपस्थिति है, जिन्हें जलडमरूमध्य के माध्यम से मुक्त मार्ग सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। अगर ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाता है- चाहे वह फारस की खाड़ी में हो या मध्य पूर्व में स्थित ठिकानों पर-तो संघर्ष नाटकीय रूप से बढ़ने का जोखिम है। ऐसी स्थिति में जोखिम में निरंतर वृद्धि देखने को मिलेगी

तेल की कीमतों में उछाल, संभवत: 100 के निशान से भी ऊपर चली जायेगी, क्योंकि बाजार की कीमतें एक बार की झड़प के बजाय एक लंबे समय तक चलने वाले व्यवधान पर निर्भर हैं।

यह भी महत्वपूर्ण है कि जिस व्यापक रणनीतिक माहौल में यह सब हो रहा है, उस पर विचार किया जाये। वैश्विक तेल बाजार कोविड युग के झटकों से धीरे-धीरे उबर रहा है, आपूर्ति-मांग संतुलन सख्त हो रहा है, लेकिन अभी भी नाजुक है। ओपेक+ अपनी उत्पादन रणनीति के साथ सतर्क रहा है, तथा अतिरिक्त क्षमता का प्रबंधन करते हुए मूल्य स्थिरता बनाये रखने का प्रयास कर रहा है। कोई भी भू-राजनीतिक झटका जो आपूर्ति को और कम कर देता है, इस संतुलन को बिगाड़ सकता है, खासकर अगर यह उत्तरी गोलार्ध में मौसमी मांग में वृद्धि के साथ मेल खाता हो।

मध्य पूर्वी तेल के दो सबसे बड़े उपभोक्ता चीन और भारत भी बढ़ती बेचैनी के साथ स्थिति को देख रहे हैं। दोनों अपने तेल आयात में विविधता ला रहे हैं और रणनीतिक भंडार बना रहे हैं, लेकिन दोनों में से कोई भी आसानी से होर्मुज के माध्यम से बहने वाले तेल की मात्रा को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है। लंबे समय तक व्यवधान का खतरा उन्हें पर्दे के पीछे कूटनीतिक रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित कर सकता है, जो संभवत: खाड़ी सहयोगियों पर निर्भर हो सकता है या तनाव को कम करने के लिए तेहरान के साथ लाभ का उपयोग कर सकता है। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका, हालांकि पिछले दशकों की तुलना में मध्य पूर्वी तेल पर कम निर्भर है, अपनी सुरक्षा प्रतिबद्धताओं और क्षेत्र में व्यापक भू-राजनीतिक हितों के कारण एक प्रमुख खिलाड़ी बना हुआ है।

आपके पत्र

गुस्साए इजरायल ने फिर ईरान पर किया हमला

एक तरफ यहूदी और दूसरी तरफ मुस्लिम राष्ट्र के बीच मिसाइल हमलों से जहर उगलते बन रहा है और न निगलते बन रहा है। शुक्रवार के दिन ईरान के हमले से इजरायल के तीन, नागरिक मरने के बाद शनिवार को ही इजरायल ने ईरान पर मिसाइलें दागी है जिससे ईरान को भारी नुकसान हुआ है। यह विश्व युद्ध की तरफ इशारा करता दिखाई दे रहा है। बड़े-बड़े शक्तिशाली देशों के बीच तनातनी से युद्ध से हालात खराब हो गए है। रूस - यूक्रेन भारत- पाकिस्तान और ईरान -इजरायल के बीच हमले तीसरे विश्व युद्ध की तरफ इशारा है। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेत्यान्हू ने अंतराष्ट्रीय अपील को खारिज करते हुए हमले यथावत जारी रखने के निर्देश दिए हैं। इजरायल ने ईरान के प्रतिष्ठानों और सैन्य ठिकानों पर हमले किये। चारों तरफ मुस्लिम राष्ट्र की आबादी है और बीच में एक ही शक्तिशाली देश इजरायल को कोई चुनौती देने की हिम्मत नहीं कर सकता। टेक्नालॉजी में अग्रणी देश इजरायल की आबादी एक करोड़ के आसपास है और हर घर से एक नागरिक को सेना में भर्ती होना ही पड़ता है। यह संविधान है फिर प्रधानमंत्री का घर ही क्यों न हो देश की सही ताकत सैनिकों के हाथ में है। इजरायल के हमले में 138 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। ईरान ने भी कहा है कि इजरायल को बहुत भुगतना पड़ेगा। ईरान ने तिनसों बैलेस्टिक मशीन दागी है। ताजा हमलों में ईरानी को निशाना बनाया है। ईरान चुप नहीं बैठने वाला है। इजरायल का एक ही मकसद है। आतंकवाद को इस धरती से खत्म करना है। भारत ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। वैसे ही कई देश आतंकवाद को जड़-मूल से खत्म करने की फिराक में है। अगर यही स्थिति रही तो दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध के बादल मंडराने लग सकते हैं। शांति बनाए रखने की भी अपील विश्व समुदाय कर रहा है। दुनिया की स्थितियों पर अंतराष्ट्रीय समुदाय नजर बनाए हुए है। युद्ध किसी भी काल में संभव नहीं है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

ललित सुरजन की कलम से

राजनीति में वंचित समाज के लिए जगह कहाँ?

'राष्ट्रपति चुनाव में आदिवासी उम्मीदवार और अपने पुराने मित्र पी.ए. संगमा का खुला समर्थन कर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरविन्द नेताम ने इस प्रौढावस्था में अपना राजनीतिक भविष्य, जितना भी बाकी है, खतरे में डाल दिया। कहा जा सकता है कि उन्होंने जानते-बूझते अपने लिए मुसीबत मोल ली। कांग्रेस ने उन्हें पार्टी की सदस्यता से तो निलंबित कर ही दिया है, हो सकता है कि आगे कोई और बड़ी कार्रवाई हो। हम यह समझना चाहते हैं कि 1971 में मात्र उनतीस या तीस वर्ष की आयु में जिस व्यक्ति को इंदिरा गांधी ने अपने मंत्रिमण्डल में शामिल किया उसे आज की कांग्रेस पार्टी संभालकर क्यों नहीं रख सकी! इसी प्रश्न से दूसरा बड़ा सवाल उठता है कि कांग्रेस हो या भाजपा या अन्य कोई दल- उसमें आदिवासियों के लिए कितनी जगह है।'

सच पूछा जाए तो इस प्रसंग से उजागर होता है कि भारत की राजनीतिक दलों में आंतरिक जनतंत्र किस तरह कमजोर है और उसमें समाज के कमजोर वर्गों की हैसियत किस तरह दोयम दर्जे की बना दी गई है। ऐसा क्यों हुआ है कि किसी भी पार्टी में आदिवासी, दलित व हाशिए के अन्य समुदायों को राजनीति में निर्णायक अथवा प्रबल भूमिका निभाने के लिए या तो तैयार किया ही नहीं गया या उन्हें स्वयं तैयार होने का अवसर नहीं दिया गया। पी.ए. संगमा, गिरधर गोमांग, अमर सिंह चौधरी और अरविंद नेताम- ये कुछ आदिवासी नेता हैं जो सत्तर के दशक में उभरे। इनमें पी.ए. संगमा ही केन्द्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण हैसियत हासिल कर सके। बाकी के साथ राजनीति के भीतर लगभग वैसा ही व्यवहार हुआ जैसा आम जीवन में प्रभुत्वशाली वर्ग बस्तर या झाबुआ के आदिवासियों के साथ करता है।

(देशबन्धु में 05 जुलाई 2012 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/07/blog-post.html

पावन प्रसंग

जीवन का शोधन है त्याग

त्याग प्राप्ति और प्रगति का नवचरण है। त्याग ही जीवन है। त्याग जीवन का सारांश है। इसके बिना जीवन की परिकल्पना संभव नहीं है। त्याग जीनन का एक आवश्यक धर्म है। यह अशुभ के स्थान पर शुभ की प्रतिष्ठा का नियम है। अशुभ के स्थान पर शुभ की प्रतिष्ठा का नियम है। एक को छोड़ने पर ही दूसरे की प्राप्ति संभव होती है। रखा हुआ कदम उठाकर ही पथ पर आगे नवचरण धरा जा सकता है। शुद्ध वायु ग्रहण करने के लिए फेफड़ों में स्थित अशुद्ध वायु को छोड़ना पड़ता है। संग्रह करने से, पदार्थों को चिपकाए रखने से तो जीवन गति में विषमता पैदा हो जाती है। रुका हुआ पानी सड़ने लगता है।

त्याग बिना विकास, प्रगति, उन्नति का पथ प्रशस्त नहीं होता। जब हम किन्हीं पदार्थों, परिस्थितियों, यहां तक कि विचारों, भावनाओं में बंधे पड़े रहते हैं, तब तक अन्य विषयों की ओर हमारी गति ही नहीं होगी। इसलिए किसी वस्तु या विषय विशेष से बंधना,उसमें लिप्त रहना सर्वथा त्याज्य है। जो कुछ हमारे पास है, हम जो कुछ भी जानते हैं उसे हम अपनी उन्नति का आधार बना सकते हैं। जिस सीढ़ी पर आप खड़े हैं, उसका सहारा लेकर ऊपर उठ सकते हैं, लेकिन अंतत: सीढ़ी हमें छोड़नी ही पड़ेगी। यह असंभव है कि हम उस पर खड़े भी रहें और ऊपर भी पहुंच जाएं। जीवन की पगडंडी बड़ी लंबी है. संसार का क्षेत्र बड़ा विस्तृत है.आगे बढ़ने के लिए, प्राप्त करने के लिए हमें नित्य त्याग करना ही पड़ेगा। यहां कोई भी तो ऐसा धाम नहीं है, जहां पहुंचकर कह सकें कि बस हमारी यात्रा पूरी हो गई, अब यहां से हटना नहीं है। जब तक जीवन है, संसार है तब तक हमें छोड़ना पड़ेगा, त्याग करते रहना होगा। इसलिए त्याग कीजिए 'मैं' और 'मेरेपन' का, ताकि हम 'परम सत्ता' की अनुभूति कर सकें। जब तक मैं है, हम परमात्मा की विराट सत्ता की अनुभूति प्राप्त नहीं कर सकेंगे। मेरेपन के कारण वस्तुओं, पदार्थों, विषयों की सीमा से बाहर नहीं, निकल सकेंगे। ऐसी स्थिति में हम विश्वचक्र गति से पिछड़ जाएंगे। चूंकि सारा संसार ही त्याग धर्म पर चल रहा है, अत: संग्रह और रोके रखने की वृत्ति हमारे लिए जीवन में संघर्ष पैदा कर देगी।

यहां का धर्म है कि विश्व जीवन को गति देने कुछ न कुछ त्याग किया जाए। यदि आप चाहेंगे कि मैं नहीं दूंगा, मैं नहीं छोड़ूंगा तो ऐसी स्थिति में विश्व प्रकृति के विरोध का सामना करना पड़ेगा और तब आपको विवश होकर एक पराजित योद्धा की तरह छोड़ना पड़ेगा तो क्यों न स्वेच्छा से त्याग करके विश्वचक्रम में सहयोग दिया जाए। इससे दो लाभ होंगे-एक स्वधर्म पालन करने का संतोष, दूसरे हमारा जीवन एकाकी,संकीर्ण न रह कर विश्वजीवन से संयुक्त हो जाएगा। हम जीवन की उच्च भूमिकाओं में प्रवेश पा सकेंगे। चूंकि त्याग एक को हटाकर दूसरे की प्रतिष्ठा का अवसर देता है, इसलिए मन, कर्म, वचन से अशुभ का त्याग कीजिए। जिस तरह द्वार की किवाड़ों को खोलते ही सूर्य का प्रकाश सहज भवन को प्रकाशित कर देता है, उसी तरह जीवन ले अशुद्ध तत्वों को निकाल देने पर शुभ का उदय स्वत: हो जाता है, बुराइयों के छूटते ही अच्छाइयां स्वत: पैदा हो जाती हैं। ईर्ष्या, द्वेष, मोह, लोभ आदि बुराइयों के छूटने पर दया,प्रेम,करुणा, श्रद्धा, तितिक्षा, शम,दम आदि सात्विक तत्वों का उदय होने लगता है।

-अखंड ज्योति

खेल जगत

डब्ल्यूटीसी फाइनल में मार्करम की शतकीय पारी के मुरीद हुए रिकी पॉटिंग

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने 136 रन की पारी खेली। उनके इस शतक ने विपक्षी ऑस्ट्रेलिया टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को भी प्रभावित किया है। एडेन मार्करम को खराब प्रदर्शन के चलते 2022/23 सीजन में ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ 115 रन की पारी और केपटाउन में भारत के विरुद्ध एक और शतक के साथ इस खिलाड़ी ने टेस्ट में वापसी का संकेत दिया। आईसीसी डिजिटल पर रिकी पोंटिंग ने मार्करम की तारीफ करते हुए कहा, 'जब टीम को आपकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब उस तरह का प्रदर्शन करने में सक्षम होना ही आपको सम्मान दिलाता है। मुझे लगता है कि हर कोई हमेशा से जानता है कि एडेन मार्करम कितने अच्छे खिलाड़ी हैं।

भारत और श्रीलंका में होगा आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 क्रिकेट का उद्घाटन मैच

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ भारत चिर प्रतिद्वंद्वी पाक से 5 अक्टूबर को कोलंबो में भिड़ेगा

■ पाक अपने सभी मैच कोलंबो में खेलेगा, फाइनल 2 नवम्बर को

नई दिल्ली, 16 जून (देशबन्धु)। भारत और श्रीलंका के बीच 30 सितम्बर को चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरू में खेले जाने वाले उद्घाटन मैच से आईसीसी महिला वन डे विश्व कप 2025 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज होगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 5 अक्टूबर को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में भिड़ेगी जबकि बांग्लादेश से वह भी 26 अक्टूबर को बेंगलुरू में ही भिड़ेगी। आईसीसी ने आईसीसी महिला वन डे विश्व कप 2025 क्रिकेट टूर्नामेंट के कार्यक्रम की पुष्टि सोमवार को की। इसके मुताबिक पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को होगा गुवाहाटी में होगा यदि पाकिस्तान की टीम इसमें पहुंचती तो यह कोलंबो में होगा। इसी तरह पाकिस्तान की टीम यदि 2 नवम्बर को फाइनल में पहुंचती तो भी वह कोलंबो में ही अपने प्रतिद्वंद्वी से भिड़ेगी अन्यथा यह बेंगलुरू मे होगा।

भारत ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद उसके खिलाफ मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) हाईब्रिड करार पर सहमति के चलते पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो में खेलेगा। पाकिस्तान कोलंबो में भारत से 5 अक्टूबर को भिड़ने के साथ वहीं 2 अक्टूबर को बांग्लादेश, 15 अक्टूबर को इंग्लैंड , 18 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से तथा 24 अक्टूबर को श्रीलंका से भिड़ेगा। पाकिस्तान की टीम यदि सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचती है तो वह ये दोनों बड़े मुकाबले कोलंबो में ही खेलेगी। मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम अपने अभियान का आगााज 1 अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच खेल का करेगी और इसके बाद 8 अक्टूबर को पाकिस्तान से कोलंबो में भिड़ेगी जबकि उपविजेता इंग्लैंड से 22 अक्टूबर को इंदौर में भिड़ेगी।2022 के संस्करण की उपविजेता इंग्लैंड अपने अभियान का आगाज 3 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच खेल कर करेगी जबकि बांग्लादेश अपने पहले मैच में 2 अक्टूबर को कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ेगा।

बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में अपने अभियान का आगाज करने के साथ अगले तीन मैच विशाखापट्टनम में खेलेगी जबकि श्रीलंका (20 अक्टूबर) से कोलंबो में खेलेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलेंड के खिलाफ 6 अक्टूबर को और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 अक्टूबर को इंदौर में खेलेगी।

आईसीसी वन डे महिला व्विश कप क्रिकेट विश्व कप में कुल 28 लीग मैच भारत में बेंगलुरू, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापट्टनम और कोलंबो में खेले जाएगे।आखिरी डबल हेडर में इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड से तथा भारत की टीम बांग्लादेश से 26 अक्टूबर को भिड़ेगी। पहला सेमीफाइनल गुवाहाटी अथवा कोलंबो में खेला जाएगा(इस पर निर्भर करेगा की पाकिस्तान की टीम कहां तक पहुंचेगी) दूसरा सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को बेंगलुरू में खेला जाएगा । फाइनल 2 नवंबर को बेंगलुरू अथवा कोलंबो (पाकिस्तान फाइनल में पहुंचा तो कोलंबो अन्यथा बेंगलुरू) में खेला जाएगा। भारत 9 अक्टूबर को विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा, इसके बाद 12 अक्टूबर को इसी मैदान पर ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा। वहीं, 19 अक्टूबर को इंदौर भारतीय टीम अपना अगला मैच इंग्लैंड से, 23 अक्टूबर को गुवाहाटी में न्यूजीलैंड से तथा 26 अक्टूबर को बेंगलुरु में बांग्लादेश के खिलाफ लीग चरण का अपना आखिरी मैच खेलेगी। दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में और फाइनल 2 नवंबर को होगा।

भारत 2013 के बाद पहली बार आईसीसी महिला वन डे विश्व कप की मेजबानी कर रहा। 2025 के आईसीसी महिला वन डे विश्व कप का प्रारूप 2022 के संस्करण जैसा होगा जिसमें की इसमें शिरकत करने वाली सभी आठ टीमें एक दूसरे के खिलाफ राउंड रॉबिन आधार पर खेलेंगी और शीर्ष चार टीमें सेमफाइनल में पहुंचेगी। मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, पिछली उपविजेता इंग्लैंड,दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका तथा मेजबान भारत सीधे महिला वन डे विश्व कप के लिए क्वॉलिफाई किया है जबकि आखिरी दो स्थान पाकिस्तान और बांग्लादेश ने क्वॉलिफायर्स से हासिल किए।

आईसीसी के चैयरमैन जय शाह ने कहा, ' आईसीसी महिला वन डे विश्व कप 2025 के कार्यक्रम की पुष्टि से इसके लिए उत्साह व उत्सुकता और बढ़ जाएगी। दुनिया की आठ सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेट टीमों के भारत आने, शानदार आयोजन स्थलों और रिकॉर्ड तोड़ भीड़ के साथ, हम सभी एक यादगार टूर्नामेंट की बाट जो रहे हैं।

शुरुआती मैच व नॉकआउट

उदघाटन मैच 30 सितम्बर	भारत वि श्रीलंका, बेंगलुरू।
2 अक्टूबर	ऑस्ट्रेलिया वि न्यूजीलैंड, इंदौर।
3 अक्टूबर	इंग्लैंड वि द अफ्रीका, बेंगलुरू।
29 अक्टूबर	पहला सेमीफाइनल गुवाहाटी/कोलंबो।
30 अक्टूबर	दूसरा सेमीफाइनल, बेंगलुरू।
2 नवंबर	फाइनल, बेंगलुरू/कोलंबो।

भारत के मैचों का कार्यक्रम:

30 सितम्बर	भारत वि.श्रीलंका, बेंगलुरू
5 अक्टूबर	भारत वि. पाकिस्तान, कोलंबो ।
9 अक्टूबर	भारत वि. दक्षिण अफ्रीका, विशाखापट्टनम।
12 अक्टूबर	भारत वि. ऑस्ट्रेलिया, विशाखापट्टनम।।
19 अक्टूबर	भारत वि इंग्लैंड, इंदौर।
23 अक्टूबर	भारत वि न्यूज़ीलैंड, गुवाहाटी।
26 अक्टूबर	भारत वि बांग्लादेश, बेंगलुरु।

आज लीड्स में भारतीय टीम के साथ वापस जुड़ेंगे गौतम गंभीर

प्लेइंग इलेवन पर लेने हैं कई फैसले

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर मंगलवार को टीम के साथ वापस जुड़ने जा रहे हैं। गंभीर बीते हफ्ते फैमिली इमरजेंसी के चलते इंग्लैंड से वापस भारत लौट आए थे। गौतम गंभीर की मां को खराब स्वास्थ्य के चलते हॉस्पिटल एडमिट करवाना पड़ा था। अब इस घटनाक्रम से वाकिफ सूत्रों ने बताया है कि गौतम गंभीर लीड्स में खेले जाने वाले टेस्ट से पहले संभवत: मंगलवार को इंग्लैंड पहुंचेंगे। भारतीय खिलाड़ी कुछ समय पहले इंट्रा-स्क्वाड मैच खेलने के लिए बेकेनहैम में रुके थे। यह मैच बंद दरवाजों के पीछे खेला गया था, जिससे जुड़े अपडेट बीसीसीआई के सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किए गए थे। गौतम गंभीर की गैरमौजूदगी में बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट और फील्डिंग कोच टी दिलीप ने भारतीय टीम को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी में मदद की।

भारतीय खिलाड़ी कुछ समय पहले इंट्रा-स्क्वाड मैच खेलने के लिए बेकेनहैम में रुके थे

जब इंट्रा-स्क्वाड गेम चल रहा था, उसी समय पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण की टीम के साथ तस्वीरें सामने आईं। इससे फैंस के बीच उत्सुकता पैदा हो गई। इसके पीछे की वजह लक्ष्मण का भारतीय टीम के साथ होना और ठीक उसी समय गौतम गंभीर का नई दिल्ली में अपने परिवार के साथ होना था। लेकिन सूत्रों ने बताया कि लक्ष्मण का भारतीय टीम से मिलना उनके कार्यक्रम का हिस्सा था। ओलंपिक से जुड़े एक समारोह के लिए स्विट्जरलैंड के लुसाने में रहने के बाद लक्ष्मण को सिर्फ दो दिनों के लिए इंग्लैंड में रहना था। लीड्स में वापस आने के बाद, गंभीर और भारतीय टीम के थिंक-टैंक को प्लेइंग इलेवन के बारे में कई फैसले लेने हैं। इनमें जसप्रीत बुमराह कौन से तीन टेस्ट खेलेंगे? कौन तीसरे और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे? इन सवालों के जवाब खोजे जाएंगे। एक ओर बी साई सुदर्शन, करुण नायर, ध्रुव जुरेल और अभिमन्यु ईश्वरन मिडिल ऑर्डर पर बल्लेबाजी के दावेदार हैं। वहीं, दूसरी तरफ नीतीश कुमार रेड्डी और शार्दुल ठाकुर जैसे दो तेज गेंदबाजों को लेकर मैनेजमेंट उलझन में है।

भारत ने आईएसएसएफ विश्व कप में जीते चार पदक

■ इस टूर्नामेंट में भारत के 36 सदस्यीय दल ने भाग लिया

■ दो स्वर्ण और दो कांस्य सहित कुल चार पदक जीते

म्यूनिख, 16 जून (एजेंसियां)। भारत के निशानेबाजों ने जर्मनी के म्यूनिख में तीसरे आईएसएसएफ विश्वकप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और दो कांस्य सहित कुल चार पदक जीते। इस टूर्नामेंट में भारत के 36 सदस्यीय दल ने भाग लिया। टूर्नामेंट की पदक तालिका में भारत तीसरे स्थान पर रहा। चीन पहले और नॉर्वे दूसरे स्थान पर रहे। गन फॉर ग्लोरी अकादमी में प्रशिक्षण ले रही दो बार की ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल श्रेणी में 231.2 अंक हासिल करते हुए कांस्य पदक के साथ भारत का पदक खाता खोला। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने इसी स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान 635.9 का असाधारण स्कोर दर्ज करते हुए एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया।

इसके अलावा राइफल निशानेबाज सिफ्ट कौर समरा ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में 453.1 के अंतिम स्कोर के साथ पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्नीस वर्षीय सुरुचि सिंह ने म्यूनिख में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में 241.9 का स्कोर हासिल करते हुए अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीता। अर्जुन बाबूता और आर्य बोरसे की शानदार जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में चीन की टीम पर 17-7 की शानदार जीत दर्ज करते हुए भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता।Kगन फॉर ग्लोरी के एक और होनहार एथलीट मैडेननी उमामहेश ने टूर्नामेंट में अपने कौशल का प्रदर्शन किया और 632.3 के स्कोर के साथ पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष आठ में स्थान पाने वाले एकमात्र भारतीय एथलीट बन गए। महिला निशानेबाज वलारिवन ने कहा, 'हम अपने देश के लिए कुछ जीतने के सपने को साकार करने के लिए प्रतिदिन प्रशिक्षण लेते हैं। मैं गन फॉर ग्लोरी सेटअप और

हम अर्जेंटीना के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए है तैयार: सलीमा टेटे

लंदन, 16 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने सोमवार को कहा कि हम 17 और 18 जून को लंदन में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के मैचों में दुनिया की दूसरे नंबर की टीम अर्जेंटीना के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार है। आगामी मैचों के बारे में सलीमा टेटे ने कहा, 'अर्जेंटीना हॉकी में दुनिया की दूसरे नंबर की टीम है और उसने अब तक 12 एफआईएच प्रो लीग मैचों में से सात जीते हैं। लीग के इस चरण में आने से पहले हम जानते थे कि उन्हें हराना मुश्किल होगा, लेकिन हम बिना लड़े हार नहीं मानेंगे। हम दोनों मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। टीम उनसे मुकाबला करने के लिए अच्छी तरह से अभ्यास और महत्वपूर्ण अंक हासिल करने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर काम कर रही है।'

उप कप्तान नवनीत कौर ने कहा, 'जैसा कि आपने देखा, टीम ने पिछले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी है और हम अर्जेंटीना के खिलाफ भी ऐसा ही करने की योजना बना रहे हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और जीत का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रयासरत रहेंगे। अर्जेंटीना के खिलाफ जीत से न केवल हमें अंक हासिल करने में मदद मिलेगी, बल्कि इससे टीम का मनोबल भी बढ़ेगा। हम बेल्जियम और चीन के खिलाफ मैच खेलने के लिए एंटवर्प और फिर बर्लिन जाएंगे।' भारतीय महिला हॉकी टीम लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में 17 जून को अर्जेंटीना के खिलाफ पहला और उसके बाद 18 जून को दूसरा मैच खेलेगी।

हम 17 और 18 जून को लंदन में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के मैचों में दुनिया की दूसरे नंबर की टीम अर्जेंटीना के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हैः सलीमा टेटे, कप्तान,भारतीय महिला हॉकी टीम

फीफा क्लब विश्वकप में यूरोप के दिग्गज क्लबों ने जीत दर्ज की

न्यूयॉर्क, 16 जून (एजेंसियां)। फीफा क्लब विश्व कप में यूरोप के दिग्गज फुटबॉल क्लबों बायर्न म्यूनिख और पेरिस सेंट-जर्मेन ने जीत के साथ शानदार शुरुआत की। इसके अलावा बोटाफोगो ने सिएटल साउंडर्स पर मामूली अंतर से जीत दर्ज की, जबकि पाल्मेरास और पोर्टो के बीच खेला गया मैच गोल रहित ड्रॉ रहा। ग्रुप सी में रविवार को मिडफील्डर जमाल मुसियाला की दूसरे हाफ में लगाई गई हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने ऑकलैंड सिटी पर 10-0 के साथ बड़ी जीत हासिल की, जबकि किंग्सले कोमन और माइकल ओलिस ने दो-दो गोल किए। साचा बोए और थॉमस मुलर और अन्य ने भी एक-एक गोल दागे। बायर्न की जीत क्लब विश्व कप के इतिहास में सबसे बड़ी जीत है, जिसने 2021 में अल-हिलाल की अल जज़ीरा पर 6-1 की जीत को पीछे छोड़ दिया। ग्रुप बी में नयी यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन ने दोनों हाफ में दो गोल करके कैलिफोर्निया के पासाडेना में रोज बाउल में 80 हजार से अधिक प्रशंसकों के सामने एटलांटिको मैड्रिड पर 4-0 की जीत हासिल की। ब्राजील के पाल्मेरास और पुर्तगाली टीम पोर्टो ने न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में ग्रुप ए के अपने मुकाबले में गोलरहित ड्रॉ खेला। ग्रुप बी के दूसरे मुकाबले में सीरी ए चैंपियन बोटाफोगो ने एमएलएस क्लब सिएटल साउंडर्स पर 2-1 से जीत हासिल की। जैर और इगोर जीसस के हेडर ने हाफटाइम तक बोटाफोगो को 2-0 की बढ़त दिलाई, लेकिन क्रिस्टियन रोल्डन ने गोलकर जीत के अंतर को कम कर दिया।

जिसे समझा अपना 'आइडल', उसी के साथ इंग्लैंड दौरे पर खेलेंगे साईं सुदर्शन

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से लीड्स में टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। इसी बीच शानदार फॉर्म से चल रहे बाएं हाथ के बल्लेबाज बी साईं सुदर्शन ने खुलासा किया है कि तमिलनाडु टीम के साथी खिलाड़ी वाशिंगटन सुंदर उनके प्रेरणास्रोत रहे हैं। ऐसा पहली बार है, जब वॉशिंगटन सुंदर और साईं सुदर्शन इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा रहे हैं। सुदर्शन ने 'बीसीसीआईडॉटटीवी' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'जब मैं युवा था, तब से ही वाशिंगटन मेरे प्रेरणास्रोत रहे हैं। मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं, इसलिए यह हमेशा खास होता है। ईमानदारी से कहूं तो मैंने उनसे बहुत प्रेरणा ली है। जिस तरह से वह आगे बढ़े और देश के लिए खेले, वह वाकई बहुत शानदार था।' उल्लेखनीय है कि आईपीएल में कुछ साल अच्छा खेलने के बाद वाशिंगटन सुंदर को भारत की सीनियर टीम में खेलने का मौका मिला था।

'जब मैं युवा था, तब से ही वाशिंगटन मेरे प्रेरणास्रोत रहे हैं। मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं, इसलिए यह हमेशा खास होता है। ईमानदारी से कहूं तो मैंने उनसे बहुत प्रेरणा ली हैः साईं सुदर्शन

साईं सुदर्शन ने आगे बताया, 'जब मैं छोटा था, तब से उन्हें जानता हूं। उनके साथ खेलता हूं। यह एक तरह की प्रेरणा है। इससे मुझे लगा कि मैं भी उसी तरह से खेलना चाहता हूं। वह बचपन से ही मेरे लिए प्रेरणा रहे हैं।' आईपीएल 2025 में ऑरेंज कैप जीतने वाले सुदर्शन भारत के लिए तीन वनडे और एक टी20 मैच खेल चुके हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वह प्रभावशाली नजर आए हैं। सुदर्शन ने काउंटी टीम सरे के लिए दो सत्रों में 281 रन बनाए। इसी के साथ उन्होंने टीम को चैंपियनशिप जिताने में अहम रोल निभाया। दूसरी ओर, वाशिंगटन सुंदर ने साल 2017 में भारत के लिए डेब्यू किया था। वह पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी के बाद से टेस्ट टीम का हिस्सा रहे हैं।

भारत की इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से 4 अगस्त तक चलेगी। यह मैच हेडिंग्ले, एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल में खेले जाने हैं। शुभमन गिल की अगुआई में भारत 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

आज से श्रीलंका-बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज एंजेलो मैथ्यूज के लिए बेहद खास होगा पहला मैच

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 17 जून से शुरू होने जा रही है। पहला मैच गाले और दूसरा कोलंबो में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज के अलावा श्रीलंका दौरे पर बांग्लादेश की टीम तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच क्रिकेट इतिहास में अब तक 26 टेस्ट खेले गए हैं, जिसमें 20 श्रीलंका ने अपने नाम किए। बांग्लादेश की टीम श्रीलंका के खिलाफ महज एक ही टेस्ट जीत सकी है। वहीं, पांच मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट सितंबर 2001 में खेला गया था। बांग्लादेश ने जो इकलौता टेस्ट इस देश के खिलाफ जीता, वह मार्च 2017 में खेला गया था। धनंजय डी सिल्वा की कप्तानी में श्रीलंकाई टीम अपने नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करने जा रही है। बांग्लादेश के खिलाफ चुनी गई टीम में कई नए खिलाड़ियों को श्रीलंकाई टीम में शामिल किया गया है। इनमें पवन रत्नायके, इसिथा विजेसुंदरा और पसिंदु सूरियाबंडारा नए चेहरे हैं। इस टीम में सोनल दिनुषा और लाहिरु उदारा अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं, जबकि स्क्वॉड में चुने गए चोटिल तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। बांग्लादेश की कमान नजमुल हुसैन शांतो के हाथों में है। मेहदी हसन मिराज, लिटन दास, इबादत हुसैन और शादमान इस्लाम से फैंस को खासा उम्मीदें होंगी। बांग्लादेश और श्रीलंका की टीमें पहला टेस्ट गाले में 17-21 जून के बीच खेलेंगी। दूसरा मुकाबला कोलंबो में 25-29 जून के बीच खेला जाना है।

अपना आखिरी टेस्ट खेलने जा रहे एंजेलो मैथ्यूज साथी खिलाड़ी ने लिखा 'इमोशनल पोस्ट'

बांग्लादेश के विरुद्ध पहले मैच के बाद टेस्ट से संन्यास ले लेंगे

नई दिल्ली। श्रीलंकाई विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश चांडीमल ने पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज के लिए इमोशनल मैसेज लिखा है। मैथ्यूज गाले में बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के लिए अपना अंतिम टेस्ट मैच खेलेंगे। पिछले महीने मैथ्यूज ने घोषणा की थी कि वह गाले में बांग्लादेश के विरुद्ध पहले मैच के बाद टेस्ट से संन्यास ले लेंगे। एंजेलो मैथ्यूज इस समय 38 साल के हैं। मैथ्यूज ने साल 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ इसी मैदान पर अपना टेस्ट डेब्यू किया था। मैथ्यूज 15 से अधिक वर्षों से श्रीलंकाई क्रिकेट के अहम सदस्य रहे हैं। उन्होंने एक ऑलराउंडर और एक लीडर, दोनों के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है।

मार्नस लाबुशेन को टॉप ऑर्डर में बनाए रखना चाहते हैं जस्टिन लैंगर

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज जस्टिन लैंगर ने टीम को सलाह दी है कि वह मार्नस लाबुशेन को टॉप ऑर्डर में बनाए रखें। इसके साथ ही उन्होंने इस खिलाड़ी को टीम के लिए महत्वपूर्ण कड़ी बताया है। लैंगर ने पर्थ में 'स्टेट ऑफ ओरिजिन रग्बी लीग सीरीज' की तैयारियों के दौरान पत्रकारों से कहा, 'मार्नस 50 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे हैं। उनका औसत (46.19) अभी भी अच्छा है। सभी खिलाड़ी ऐसे दौर से गुजरते हैं। अगर आप रन नहीं बना रहे, तो सुर्खियों में रहेंगे। अगर मार्नस अच्छा नहीं खेल रहे, तो एक बड़ा अंतर आ जाता है, क्योंकि ट्रेविस हेड निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं। इसलिए वह टीम के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर मैं ऑस्ट्रेलियाई मैनेजमेंट में होता, तो अपना पूरा फोकस मार्नस को बेहतर प्रदर्शन करने पर करता। मुझे यकीन है कि वह ऐसा कर रहे हैं।' ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से पांच विकेट से हार का सामना पड़ा था, जिसके बाद लाबुशेन को आगामी सीरीज में मौका मिलना मुश्किल नजर आ रहा है।

सार संक्षेप

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता 27 जून से पंचकूला में

चंडीगढ़। हरियाणा में राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता (महिला एवं पुरुष वर्ग) का आयोजन 27 से 29 जून तक पंचकूला में किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में महिला (सीनियर वर्ग) में भार 45-48 किलोग्राम, 51 किलोग्राम, 54 किलोग्राम, 57 किलोग्राम, 60 किलोग्राम, 65 किलोग्राम, 70 किलोग्राम, 75 किलोग्राम, 80 किलोग्राम, +80 किलोग्राम तथा पुरुष (सीनियर वर्ग) में 47-50 किलोग्राम, 55 किलोग्राम, 60 किलोग्राम, 65 किलोग्राम, 70 किलोग्राम, 75 किलोग्राम, 80 किलोग्राम, 85 किलोग्राम, 90 किलोग्राम, +90 किलोग्राम भार वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

डीडीसीए ने शहरव्यापी टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू किया

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने सोमवार को अपने बहुप्रतीक्षित टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया। सोमवार को यहां सेंट स्टीफंस कॉलेज ग्राउंड में राष्ट्रीय राजधानी की सबसे बड़ी अंतर-क्लब प्रतियोगिताओं में से एक टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत मद्रास सीसी और यॉर्क सीसी के बीच एक रोमांचक उद्घाटन मैच के साथ हुई। प्रतियोगिता में कुल 104 क्लब भाग लेंगे। टीमों को ग्रुप चरण के लिए नौ पूल में विभाजित किया गया है। इस अवसर पर डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, 'यह टूर्नामेंट दिल्ली क्रिकेट के लिए एक मजबूत भविष्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य ऐसे और अधिक मंच प्रदान करना है जहाँ युवा और महत्वाकांक्षी खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा कर सकें, आगे बढ़ सकें और मूल्यवान अनुभव प्राप्त कर सकें। मुझे भरोसा है कि यह पहल क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी और स्थानीय क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र में अधिक ऊर्जा लाएगी।' उद्घाटन कार्यक्रम में डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा, निदशेक श्याम शर्मा , सह अध्यक्ष लीग समिति डॉ. अहमद तमीम सह संयोजक हर्ष गुप्ता और वरिष्ठ सचिव प्रमोद जैन और शरवन कुमार मौजूद थे।

एमएलसी 2025 : सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने लगाई जीत की 'हैट्रिक'

नई दिल्ली। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के छठे मैच में जीत दर्ज की। इस टीम ने कैलिफोर्निया में खेले गए मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क को तीन विकेट से मात दी। यह इस सीजन में सैन फ्रांसिस्को की लगातार तीसरी जीत है। टीम प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर मजबूती से खड़ी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी एमआई की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 182 रन बनाए। टीम 10 रन पर अग्नि चोपड़ा (8) के रूप में अपना पहला विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद क्विंटन डी कॉक ने मोनांक पटेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की, जिसने टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया।

सार समाचार

विधायक की जनसुनवाई में हुआ समस्या का समाधान, कराया बोर खनन

आष्टा, देशबन्धु। विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर द्वारा प्रत्येक बुधवार को अपने कार्यालय पर जनसुनवाई आयोजित करते हैं । जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम पंचायत रामपुर कला के ग्रामीण जन एवं महिलाएं बड़ी संख्या में विधायक कार्यालय पहुंचे थे तथा उन्होंने उन्होंने ग्राम में गंभीर जल संकट की स्थिति को नागरिकों द्वारा समस्याओं से अवगत कराया था । जनसुनवाई में आए ग्रामीणों की समस्याओं को विधायक श्री इंजीनियर ने अति गंभीरता से लेते हुए पीएचई के अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए की ग्राम में जल संकट की स्थिति और ना बिगड़े इसको देखते हुए तत्काल एक बोर खनन कराया जाए। विधायक के निर्देश पर लोग स्वास्थ यांत्रिक विभाग ने रात्रि में बोर खनन करवाया । रात्रि में हुए बोर खनन में पर्याप्त रूप से पानी निकलने से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है । ग्रामीणों ने मिलकर विधायक का आभार व्यक्त किया।

अतिक्रमण की वजह से जो चौतरफा विकास रुका हुआ है

अतिक्रमण हटाने पहुंचा अमला बैरंग लौटा

भैरूंदा, देशबन्धु। नगर मैं चौतरफा विकास किया जा रहा है, जिसमें अतिक्रमण की वजह से जो चौतरफा विकास रुका हुआ है। ऐसे ही नगर में दाना बाबा चौराहे पर सरकारी क्वार्टर में 2 दुकानें लगी हुई है। नीलकंड रोड स्वागत द्वार के पास गार्डन में एक चाय की दुकान लगी हुई है। महिला बाल विकास के ऑफिस के सामने होटल संचालित की जा रही है तहसीलदार के पुराने क्वार्टर में भी एक दुकान लगाई गई है ऐसे ही शास्त्री कॉलोनी में 18 फीट की नाली थी लेकिन नाली के ऊपर अतिक्रमणकारियों ने पक्का कब्जा कर के सिर्फ तीन से चार फीट ही जगह छोड़ी है जिससे नाली बनने में परेशानियों का सामना उठाना पड़ रहा।

इसमें कम से कम 10 फीट जगह होना चाहिए 4, फीट की नाली तीन-तीन फीट की साइड जिससे नाली में आने जाने के लिए सफाई कर्मियों को परेशानी न हो। शास्त्री कॉलोनी का रोड 32 फीट का है उसको भी अतिक्रमण में दबाकर सिर्फ 18 से 20 फीट छोड़ा है। नगर में चौतरफा विकास तो किया जा रहा इस दौरान शास्त्री कॉलोनी में नाली का निर्माण कार्य किया जा रहा है जिस पर अतिक्रमण करता के द्वारा नाली के ऊपर पक्का निर्माण किया जा चुका है इस अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन पहुंचा तो खाली हाथ वापस लौटना पड़ा अगर प्रशासन ऐसे ही खाली हाथ लौटता रहा तो अतिक्रमणकारियों के हौसले और भी बुलंद हो जाएंगे शास्त्री कॉलोनी में बारिश का पानी कॉलोनी में भरा जाएगा जिससे वार्ड वासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने इंजीनियरों को दो टूक कहते हुए कहा कि अगर ऐसा ही काम चलता रहा तो काम नहीं करना है काम को तत्काल बंद किया जाए जब शास्त्री कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने पहुंच प्रशासन तो प्रशासन के आगे अतिक्रमणकारी के साथियों ने कहीं हथकंडे अपनाने की कोशिश की पहले तो सल्फास (जहर) खा कर जान देने का कहने लगे बाद में जब प्रशासन सख्त हुआ तो जेसीबी के सामने लेट कर अतिक्रमण न हटाने का विरोध करने लगे इन सभी की वजह से प्रशासन बिना कार्रवाई के? बेरंग लौटना पड़ा। कार्रवाई करने पहुंचे तहसीलदार सौरभ शर्मा, नगर परिषद अधिकारी प्रफुल्ल गठरे भेरूंदा थाना प्रभारी घनश्याम दांगी तीनों विभाग के दर्जनों अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। इनका कहना विक्रम शर्मा (मस्तान) प्रशासन खाली हाथ वापस नहीं लौटा है जो भी अतिक्रमण है भाजपा के नेताओं का है पूर्व जिला अध्यक्ष ने नाली के ऊपर कब्जा किया है और भी भाजपा के बड़े नेताओं ने नाली और रोड के ऊपर कब्जा किया है अगर शास्त्री कॉलोनी का कब्जा निकल जाए तो भाजपा के ही नेता ही निकलेंगे।

इनका कहना है

– पहले 2 बार नोटिस दे चुके हैं लेकिन जब अतिक्रमण हटाने पहुंचे तो प्रशासन को परेशान किया है जिससे हम शासकीय कार्य में बाधा डालने की कार्रवाई करेंगे।

प्रफुल्ल गठरे,
सीएमओ, नगर परिषद

– नगर में चौतरफा विकास किया जा रहा है लेकिन अतिक्रमण को लेकर हम सख्त कदम उठा रहे हैं। जल्द ही इसका निपटारा किया जाएगा, किसी भी शासकीय भूमि पर किसी को भी कब्जा नही करने देंगे।

मारुति शिशिर,
अध्यक्ष नगर परिषद

चित्रगुप्त पर टिप्पणी पर टिप्पणी के विरोध में कायस्थ समाज ने सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा,देशबन्धु। सोमवार को कायस्थ समाज विकास कल्याण समिति के तत्वाधान में नगर एवं आसपास के ग्रामीण अंचल के कायस्थों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन क्षेत्र के उपखण्ड मजिस्ट्रेट को दिया। ज्ञापन में आरोप लगाया कि पं. प्रदीप मिश्रा कथा वाचक द्वारा भगवान चित्रगुप्त के बारे में प्रवचन के दौरान अमार्यदित टिप्पणी की गई। जिससे समस्त कायस्थ समाज में रोष व्याप्त है। कथावाचक द्वारा कायस्थों के जनक भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज का जो अपमान किया गया है समाज उसकी निंदा करता है। इस मामले में कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में समिति अध्यक्ष महेश नारायण श्रीवास्तव, सचिव शिवनारायण सक्सेना, कोषाध्यक्ष कैलाश नारायण श्रीवास्तव, महेश नारायण श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार कैलाश नारायण सक्सेना, मातृशक्ति आरती श्रीवास्तव, प्रियंका माथुर, सह सचिव प्रदीप श्रीवास्तव, एडवोकेट राजेश सक्सेना, रामबाबू श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, विकास श्रीवास्तव, अभिनय श्रीवास्तव, जगदीश श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, राजेंद्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण में विधायक ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

आष्टा, देशबन्धु। पचमढ़ी में भाजपा के सांसद विधायको का चल रहा तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन हो गया । प्रशिक्षण वर्ग का समापन सत्र केंद्रीय मंत्री राजनाथसिंह के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ । समापन दिवस पर प्रशिक्षण में शामिल विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने प्रशिक्षण स्थल पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से सौजन्य मुलाकात करते हुए आष्टा विधानसभा की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री को समस्या से अवगत करवाया।

'जैन श्वेतांबर समाज की चातुर्मास समिति का गठन'

आष्टा, देशबन्धु। जैन श्वेतांबर समाज के महावीर स्वामी गंज मन्दिर उपाश्रय में 'परम पूज्य साध्वीवर्या नम्रव्रता म. सा. आदि ठाणा' का चातुर्मास होना निश्चित हुआ है और म. सा. के प्रवेश की बेला समीप आती जा रही है।

चातुर्मास सानंद, निर्विघ्न और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो तथा समाजजनो को इसका पूरा लाभ मिले। गंज मन्दिर उपाश्रय में गंज मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष नगीन वोहरा की अध्यक्षता में एक आवश्यक मीटिंग चातुर्मास समिति के गठन के एजेंडा को लेकर आयोजित की गई। जिसमे राहुल चतरमुथा द्वारा अध्यक्ष दंपत्ति के लिये देशचंद वोहरा - मती भावना वोहरा के नाम का प्रस्ताव रखा गया। जिसे उपस्थित सभी जनो ने हर्ष से सहमति प्रदान की। तत्पश्चात मनोनीत अध्यक्ष के साथ मिलकर चातुर्मास समिति का गठन किया गया। संपूर्ण समिति का विवरण संरक्षक सुंदर लाल वोहरा, नगीन वोहरा एडवोकेट, प्रदीप धाड़ीवाल, पवन सुराणा, प्रताप चतरमुथा, देशचंद वोहरा श्रीमती भावना वोहरा, उपाध्यक्ष पवन माल, महासचिव यश माल, कोषाध्यक्ष मीडिया प्रभारी अतुल सुराणा नियुक्त हुए। अध्यक्ष देशचंद वोहरा ने आभार व्यक्त किया।

कृष्णिका गौरव सम्मान से सम्मानित

गंजबासौदा देशबंधु। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा खाटू श्याम में अग्र अलंकरण समारोह का आयोजन किए गया। जिसमें नगर की कृष्णिका अग्रवाल को अग्रवाल गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। खाटू श्याम की नगरी में हुए इस आयोजन में देश भर से आई प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। समिति के संस्थापक राजकुमार मित्तल ने कृष्णिका का सम्मान किया। वह भजन गायक बृजराज अग्रवाल की पुत्री है। उनकी इस उपलब्धि पर शुभचिंतकों एवं परिजनों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

खेत में आग, बांगड़ सहित पेड़ पौधे जले, पुलिस से शिकायत

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पूनोल में एक किसान के खेत में आग लगने से खेत में लगी बारी बांगड़ व कई पेड़ पौधे जल गए हैं। इस घटना में किसान को आर्थिक नुकसान हो गया। पीड़ित किसान ने पड़ोसी व्यक्ति के खिलाफ पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसकी दिगौड़ा पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

पीड़ित किसान हरनचरन चढ़ार पिता दलीपा चढ़ार निवासी पूनोल ने बताया है कि आज सोमवार की दोपहर करीब 12 बजे पड़ोसी व्यक्ति गोरेलाल चढ़ार ने अपने खेत में आग लगा दी और इसके बाद उसने आग को नही बुझाया। जिससे वह आग पीड़ित किसान हरचरन के खेत में पहुंच गई और खेत मे लगी बारी बांगड़ जलकर राख हो गए। इसके अलावा खेत पर लगे कई पेड़ पौधे आग लगने से बुरी तरह झुलस गए। पीड़ित किसान ने बताया है कि उसका पड़ोसी गोरेलाल से पुराना विवाद चलता था, इसलिए उसने जानबूझकर आग लगाई है। पीड़ित किसान ने इस घटना की लिखित शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई है।

कांग्रेस का नया जिला अध्यक्ष कार्यकर्ताओं की पसंद का होगा : प्रसाद

आष्टा, देशबन्धु। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक एवं जिला अध्यक्ष के लिए रायशुमारी करने के लिए एआईसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक श्रीविल्ला प्रसाद प्रदेश पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा जयश्री हरीकरण पवन पटेल ने स्थानीय साहू गार्डन में कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित किया और उसके पश्चात कांग्रेस कार्यकर्ताओं से वन टू वन चर्चा की और यहां जाना कि अगला सीहोर जिला कांग्रेस का अध्यक्ष कौन होना चाहिए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एआईसीसी ऑब्जर्वर श्रीविल्ला प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह तय किया है कि अब जिला कांग्रेस का अध्यक्ष उस जिले के कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की राय के आधार पर नियुक्त होगा और इसके साथ ही जिला अध्यक्ष को महत्वपूर्ण अधिकार दिए जाएंगे जिला अध्यक्ष की नियुक्ति में सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि संबंधित व्यक्ति विचारधारा के लिए कितना मजबूती से लड़ता है और विपक्ष की भूमिका निभाने के साथ सभी लोगों को साथ लेकर चल सके प्रदेश कांग्रेस के ऑब्जर्वर नरेंद्र नाहटा ने कहा कि आज भी कांग्रेस पार्टी मजबूत है बस हम सबको हमारे नेता राहुल गांधी की तरह दृढ़ संकल्पित होकर एकजुट होकर संघर्ष करने की आवश्यकता है यदि कांग्रेस के कार्यकर्ता एकजुट होकर संघर्ष करेंगे तो निश्चित तौर से कांग्रेस मजबूत होकर प्रदेश में दोबारा आएंगी उपरोक्त अवसर पर प्रदेश ऑब्जर्वर जयश्री हरीकरण एवं पवन पटेल ने भी संबोधित किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, सहप्रभारी दिनेश मेघानी, अखिल भारतीय कांग्रेस सदस्य हरपाल ठाकुर,प्रदेश समिति सदस्य कैलाश परमार, महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर,जितेंद्र शोभाखेड़ी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, महेश मुंडीखेड़ी ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, जाहिद गुड्डू नगर कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष डॉ. मीना सिंगी, कमल सिंह चौहान जिला पंचायत सदस्य, एन.एस.यू.आई. जिला अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर, जिला संगठन मंत्री गणेश तिवारी, आदिवासी विकास परिषद जिला अध्यक्ष सुनील कटारा, सुनील सेठी, पार्षद भैया मियां, विनित सिंगी, रईस मंसूरी मुरावर, पूर्व पार्षद नरेन्द्र कुशवाह, नवाब बैरी, प्रदीप प्रगति, राजेन्द्र दरबार, घनश्याम जांगड़ा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

नाबालिग चोर को बाल गृह भेजा

भेरुंदा, देशबन्धु। भेरुंदा थाना पुलिस ने चोरी करने वाले बालअपचारी को अभिरक्षा में लेकर बाल न्यायालय पेश कर बाल सुधार गृह भेजा गया है। बाल अपचारी के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी के मामले पंजीबद्ध हैं।

पुलिस के अनुसार फरियादी धर्मेन्द्र पंवार पिता कमल पंवार (25) निवासी बजरंग कुटी भैरुंदा ने थाना आकर जुबानी रिपोर्ट कर बताया की 11 जून को शाम करीब 5.30 बजे उसकी मोटरसाईकल बजाज सीटी 100 कोई अज्ञात चोर मेरी मोटरसाईकल चोरी कर ले गया है। जिसकी कीमत 70 हजार रुपए है। रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा वाहन चोरी के अपराधों की रोकथाम और चोरी गए वाहन की बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया था जिसके पालन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति सुनीता रावत व एसडीओपी विजय अंभोरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भैरूँदा घनश्याम दांगी द्वारा अज्ञात आरोपी की तलाश हेतु टीम गठित की गयी। अज्ञात आरोपी की तलाश हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया एवं मुखबिर सूचना पर शासकीय हॉस्पिटल भैरुंदा रोड पर चोरी की गाड़ी के साथ एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया जिसके द्वारा पूछताछ पर मोटरसाइकिल चोरी करना बताया जिसके कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल कुल कीमती 70,000 रुपए की जप्त की गईं।बाल अपचारी को बाल न्यायालय पेश किया गया जहां से उसे बाल सुधार गृह भेजा गया।

वृद्धजन दुर्व्यवहार दिवस पर न्यायालय परिसर में जागरुकता शिविर आयोजित

भेरूंदा, देशबन्धु। प्रथम जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति नसरुल्लागंज श्रीमती उषा तिवारी के मार्गदर्शन में 15 जून को गायत्री मंदिर स्थित सभाकक्ष में श्रीमती प्रगति मित्रा सनमोरिया जे.एम.एफ.सी. की उपस्थिति विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार दिवस का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में श्रीमती सनमोरिया द्वारा बताया गया कि यह दिवस मनाए जाने का उद्देश्य है कि वृद्धजनों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाना। माता-पिता जब वृद्ध हो जाते हैं तो कुद बच्चे उनको बोझ समझने लगते हैं, माता पिता की सेवा करना बच्चों को खराब लगता है, उनके साथ कुद घरों में शारीरिक, भावनात्मक दुर्व्यवहार आम हो गया है। इन तथ्यों के दृष्टिगत वृद्धजनों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी के साथ पूरी प्रक्रिया भी बताई गई कि वे कैसे अपने अधिकार प्राप्त कर सकते हैं। यह भी बताया गया की यदि कोई बुजुर्ग दुर्व्यवहार से पीड़ित है तो वे पुलिस या 911 पर कॉल करे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वृद्धजन उपस्थित रहे।

सैण्ट एसआरएस स्कूल के 2 विद्यार्थियों ने पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण की नीट परीक्षा

गंजबासौदा, देशबन्धु। सोमवार को जैसे ही नवीन शिक्षण सत्र के लिए स्कूल खुले ,स्कूल में दो होनहार छात्रों के नीट परीक्षा में चयनित होने की सूचना मिली, जिससे सैण्ट एस.आर.एस. स्कूल में खुशी की लहर बिखर गई। संस्था से 12 वीं पास आउट शिवानी रघुवंशी और यश सोनी ने अच्छी रेंक के साथ नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर शासकीय मेडीकल कालेजों में प्रवेश की पात्रता हासिल की है।

दोनों ही छात्रों के स्कूल पहुंचने पर उनका संस्था परिवार ने जोरदार अभिनंदन किया। शिवानी रघुवंशी जहां किसान नरेश रघुवंशी और सविता रघुवंशी की पुत्री हैं। वहीं यश सोनी शिक्षक राकेश सोनी और रेखा सोनी के पुत्र हैं। मीडिया से बात करते हुए शिवानी और यश सोनी ने अपनी सफलता में माता-पिता के आशीर्वाद एवं संस्था के डायरेक्टर के.एस. यादव, फिजिक्स के व्याख्याता डॉ विजय कुमार जैन, केमेस्ट्री के व्याख्याता डॉ अमर सिंह ठाकुर, बायलॉजी की व्याख्याता हेमलता शर्मा, प्रियंका अग्रवाल, अनुज गुप्ता सर के मार्गदर्शन को श्रेय दिया। शिवानी और यश ने बताया कि वे शासकीय मेडीकल कॉलेजों से एम.बी.बी.एस कर ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने का जज्बा रखते हैं । वे लोगों की चिकित्सा सेवा के जरिए देश सेवा करना चाहते हैं ।शिवानी रघुवंशी ने नीट परीक्षा में ऑल इंडिया रेंक 49423, ईडब्ल्यूएस रेंक 6071 प्राप्त की है। उन्होंने 720 अंकों में से 502 अंक हासिल कर नीट क्लीयर किया है। इसी तरह यश सोनी को ऑल इंडिया रेंक 32037 एवं ओबीसी रेंक 14814 प्राप्त हुई है। उन्होंने 720 अंकों में से 520 अंक हासिल किए हैं।

संस्था के डायरेक्टर के.एस. यादव ने बताया कि दोनों छात्रों ने नीट परीक्षा पास कर डॉक्टर बनने का सपना पूरा किया है। उनकी सफलता पर पूरी संस्था को गर्व है। दोनों छात्रों के संस्था पहुंचने पर संस्था डायरेक्टर के.एस. यादव, प्रबंधक श्रीमती सुधा यादव, प्राचार्य उमेश चंद्र यादव, प्रभारी अनुज गुप्ता, प्रभारी श्रीमती रजनी गुप्ता, प्रियंका अग्रवाल, सुपार्श जैन, डॉ विजय कुमार जैन, सोनू राय, गजेन्द्र सिंह दांगी, विक्रांत सोनी, अजय विश्वकर्मा, दिनकर कद्रे, आकाश साहू, लोकेन्द्र राजपूत, राम नारायण श्रीवास्तव सहित शिक्षक परिवार ने छात्रों का पुष्प माला पहना और मिष्ठान खिला कर अभिनंदन किया ।साथ ही सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

नशा मुक्ति जन जागरूकता के लिए 26 तक होंगी गतिविधियां

बैतूल, देशबन्धु। 26 जून अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर जिले में नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रमों के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण उप संचालक ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के उपलक्ष्य में जिले में 1 जून से नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है, जो आगामी 26 जून तक चलेगा। इस अभियान के तहत मद्यपान तथा मादक पदार्थ, नशीली दवाइयां, शराब एवं विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से समाज, युवाओं, छात्र-छात्राओं और आम जनों में जन जागृति लाई जा रही है।

पौधा लगाकर मनाया राज्यसभा सांसद माया नारोलिया का जन्मदिन

बैतूल, देशबन्धु। प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया का जन्मदिन 16 जून को महिला मोर्चा की बहनों ने अनोखे अंदाज में मनाया। सभी बहनों ने एक पेड़ माया दीदी के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया और जन्मदिवस को यादगार बना दिया। इस विशेष अवसर पर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष ममता मालवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बहनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में जिला महामंत्री सुनीता देशमुख, कृष्णा अमृते, वर्षा खाड़े, मीना बोरवन, वंदना बंजारे, सरिता राठौर, कल्पना तरूडकर, राजश्री भारती, प्रीति बाथरी, रेखा अमृत, प्रमिला धोत्रे, ज्योति वर्मा और श्रद्धा भारती, ममता ठहाके प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

सीएमएचओ का किया स्वागत

बैतूल, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर डॉ. मनोज हुरमाडे ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया बैतूल भारतीय बौद्ध महासभा के अध्यक्ष संदीप पाटिल के नेतृत्व में मार्गदर्शक राजेश भूमरकर, प्रदीप नागले, सतीश पाल सहित सामाजिक संगठन की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। महासभा के उपाध्यक्ष रामा अतुलकर, धर्मदास दवंडे, कमलेश उबनारे, शिवकिशोर पाटिल, विनोद दवंडे, दिनेश पाटिल, दिनेश मानकर, अजय भूमरकर, ब्रजेश पाटिल सहित अन्य सदस्यों ने बधाई दी।

विधायक भी विभाग को लिख चुके पत्र, समस्या का फिर भी समाधान नहीं

बिजली बढ़ा रही लोगों का बीपी, दफ्तर पहुंचे बरहापुर के ग्रामीण

भैंसदेही, देशबन्धु। बरहापुर ग्राम अंतिम छोर में होने के कारण वोल्टेम कम होना लाईन फाल्ट होना, लाईन पर परमिट होना इत्यादि अनेक कारणों से ग्राम-बरहापुर को 8 से 10 घंटे ही बिजली मिलती हैं। जिससे रहवासियों को अनेक कठिनायों का सामना करना पडता है। इन मांगों का ज्ञापन सहायक प्रबंधक बिजली विभाग भैंसदेही के नाम दिया गया। बताया कि ग्राम बरहापुर में आये दिन बिजली बंद होने की समस्या हैं। जिसमें ग्राम-बरहापुर को वर्तमान में 33/11 के. व्हीं. उपकेन्द्र भैंसदेहीं के 11 के. व्हीं. सराग्डी घरेलू फीडर पर जोडा गया हैं, जिससे कभी भी 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गोरेगांव से निकलने वाले 11 के.व्हीं. गोरेगांव घरेलू फीडर से जोड दिया जाता हैं। जिससे फीडर की लंबाई अधिक होने के कारण एवं बरहापुर ग्राम अंतिम छोर में होने के कारण वोल्टेम कम होना लाईन फाल्ट होना, लाइन पर परमिट होना इत्यादि अनेक कारणों से ग्राम-बरहापुर को 8 से 10 घंटे ही बिजली मिलती हैं। जिससे रहवासियों को अनेक कठिनायों का सामना करना पडता है। इस विषय को लेकर ग्रामवासियों द्वारा पूर्व में भी कई बार पत्राचार एवं मौखिक शिकायतें पहले भी की परन्तु ग्राम बरहापुर में बिजली की समस्या ज्यो की त्यो बनी हैं। जिससे ग्रामवसियों में अत्यन्त आकोष व्याप्त हैं।

विधायक का पत्र साबित हो रहा दिखावा:

ग्रामीणों ने बताया कि भैंसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान को भी बिजली समस्या से अवगत कराया गया था , जिसको लेकर विधायक महोदय ने भी कनिष्ठ यंत्री भैंसदेही को बरहापुर की समस्या का जल्द निराकरण करने के लिए पत्र लिखा गया था। जिसको लगभग 6 माह हो चुका है , जिसके बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है , ग्रामीणों ने बताया कि सामने बरसात का समय है और समस्या और गंभीर होते जा रही , बड़ी मुश्किल से 8 से 10 घंटे बिजली मिल पाती है , आज ज्ञापन देकर एक बार फिर से निवेदन किया है , इसके बाद भी समस्या है हल नहीं हुआ तो विद्युत विभाग की लचर कार्यप्रणाली के कारण उग्र आंदोलन करने पर विवश होना पड़ेगा , जिसकी समस्त जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी।

ग्राम की समस्या पर बोले युवा

फिटर की लंबाई अधिक होने , थोड़ी से तेज हवा चलने , हल्का बरसात होने पर ग्राम की बिजली कभी भी बंद हो जाती है , तीन दिन से लगातार बिजली बंद है , मिलती भी है तो बड़ी मुश्किल से 8 या 10 घंटे बिजली मिल पाती है , जिसमे में वोल्टेज की समस्या रहती है, जिसको लेकर पहले भी आवेदन दे चुके है, समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ , हमारी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम ग्रामीणों को उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होना पड़ेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी।

नीलेश महाले, ग्रामीण बरहापुर

पहले भी इस समस्या को लेकर विभाग को आवेदन दे चुके हैं, साथ ही क्षेत्रीय विधायक से समस्या को लेकर निवेदन किया था , जिस पर विधायक महोदय ने भी क्षेत्रीय कनिष्ठ यंत्री को लगभग 6 माह पहले ग्राम की समस्या को लेकर पत्र लिखा था पर कोई समाधान नहीं हुआ, जिसके बाद पुन: समस्त ग्रामीण ज्ञापन सौंपने आए है। समस्या का जल्द निराकरण होना चाहिए।

गणेश सोनारे, ग्रामीण बरहापुर

आधी रात को हथियारबंद युवकों ने मचाया आतंक

बैतूल में बिगड़ती कानून व्यवस्था

- सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना, शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

बैतूल, देशबन्धु। शहर में अराजक तत्वों का हौसला इस कदर बुलंद हो गया है कि अब वे आधी रात को मोहल्लों में हथियार लेकर खुलेआम उत्पात मचाने से भी नहीं डर रहे। शनिवार 14 जून की रात 1 से 2 बजे के बीच राजेंद्र वार्ड में करीब 10 से 15 युवकों के समूह ने इलाके में जमकर उत्पात मचाया। इन उपद्रवियों ने मारपीट करते हुए लोगों में दहशत फैला दी। पूरी कॉलोनी में आतंक का माहौल बन गया। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो चुकी है।

इस घटना के संबंध में वार्ड के प्रतीक तिवारी ने गंज थाना जाकर शिकायत दर्ज कराई है। फरियादी ने बताया कि वह रात करीब 1 बजे आवाज सुनकर जागा तो देखा कि कुछ अज्ञात युवक उसके घर के बाहर खड़ी कार क्रमांक एमपी48 जेडजी 5745 को नुकसान पहुंचा रहे थे। ड्राइवर साइड की खिड़की का पूरा शीशा तोड़ दिया गया था और गाड़ी के गेट पर डेंट के गहरे निशान थे। इस घटना में प्रतीक तिवारी को लगभग सात हजार रुपये का नुकसान हुआ है। जब पीड़ित ने यह मामला गंज थाने में दर्ज करवाया, तो पुलिस ने महज एनसीआर के तहत धारा रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने इसे असंजेय अपराध मानते हुए प्रतीक तिवारी को सीधा न्यायालय जाने की सलाह दे दी और अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

बैतूल शहर में लगातार बढ़ती ऐसी घटनाओं से नागरिकों में आक्रोश है। शहरवासियों का कहना है कि यदि इस तरह अराजक तत्वों को खुली छूट मिलती रही तो शहर का माहौल और खराब हो जाएगा। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस प्रकार की घटनाओं पर तुरंत संज्ञान लेते हुए दोषियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे। वार्ड के लोगों ने आरोप लगाया है कि पुलिस के पास सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद है, लेकिन इसके बावजूद अब तक आरोपियों की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हुई है। यदि यही रवैया रहा तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

कलेक्टर ने नीट में चयनित विद्यार्थियों का किया सम्मान

बैतूल, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट कार्यालय में नीट परीक्षा में चयनित 15 विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने इस अवसर पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी। मेहनत और लगन की आवश्यकता को समझाया और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि यह सफलता केवल छात्र-छात्राओं की मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि उनके परिवार और शिक्षकों के समर्थन का भी नतीजा है। उन्होंने सभी को आगे भी मेहनत जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल सिंह कुशवाह, सहायक संचालक सुबोध शर्मा, डीपीसी जितेंद्र कुमार भनारिया सहित अन्य अधिकारी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

गांव की बिटिया राधिका ने 147 अंक से उत्तीर्ण की नीट परीक्षा

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम उमरवानी की होनहार छात्रा राधिका यादव ने 147 अंक से नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया है। राधिका यादव पिता रमेश यादव की यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि वह एक साधारण परिवार से आती हैं और सरकारी स्कूल में पढ़ाई कर इस ऊंचाई तक पहुंची हैं।

राधिका ने कक्षा 12वीं की पढ़ाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बांसपानी से की, जहां उन्होंने 82.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। उन्होंने कठिन परिश्रम, नियमित अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बलबूते यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राधिका की इस सफलता से उनके परिवार, स्कूल और गांव में खुशी की लहर है। परिजनों और शिक्षकों ने उनकी मेहनत और लगन को सराहा है। राधिका की कामयाबी यह साबित करती है कि यदि इरादे मजबूत हों तो संसाधनों की कमी भी रास्ता नहीं रोक सकती। अब राधिका एमबीबीएस की पढ़ाई कर डॉक्टर बनने का सपना पूरा करना चाहती हैं। बांसपानी स्कूल के प्राचार्य नागेश पवार एवं स्टाफ ने राधिका को गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया और इस सफलता पर गर्व जताया है। उनका मानना है कि राधिका अन्य ग्रामीण छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी।

बौद्ध महासभा की नई कार्यकारिणी, मिली जिम्मेदारी

नागले तहसील अध्यक्ष और भुमरकर उपाध्यक्ष नियुक्त

बैतूल, देशबन्धु। दी बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय संरक्षक महाउपासिका मीरा ताई अंबेडकर के धम्म कारवां को गति प्रदान करते हुए भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा मुलताई की कार्यकारिणी का पुनर्गठन 15 जून को आनंद बुद्ध विहार, मुलताई में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव आयु शंकर राव शेषकर और जिलाध्यक्ष अधिवक्ता नामदेव नागले द्वारा भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इसके पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने बुद्ध वंदना, त्रिशरण और पंचशील ग्रहण कर अतिथियों का स्वागत किया।

बैठक में विशेष रूप से प्रदेश सचिव आयु शंकर राव शेषकर, जिलाध्यक्ष अधिवक्ता नामदेव नागले, जिला उपाध्यक्ष काशीनाथ वाघमारे, जिला महासचिव सहदेव पाटिल, जिला कोषाध्यक्ष तुलाराम चौकीकर, और जिला संघटक किसोर कुमार पाटिल उपस्थित रहे। बैठक में तहसील इकाई का पुनर्गठन करते हुए जिलाध्यक्ष अधिवक्ता नामदेव नागले ने उपस्थित कार्यकर्ताओं की सहमति से धम्म उपासक आयुष्मान लक्ष्मण नागले को तहसील अध्यक्ष और मुनेश भुमरकर को उपाध्यक्ष नियुक्त किया।

दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का प्रदेश सचिव और जिलाध्यक्ष द्वारा फूल माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत और सम्मान किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता श्रवण गुज़रे, एम. आर. गुज़रे, श्रीराम लोखंडे, इन्द्र कुमार मालवीय, व्यंकटराव झोड़, लक्ष्मण नागले और मुनेश भुमरकर की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में संस्था के बायलॉज अनुसार सदस्यता अभियान का लक्ष्य पूरा करने और ग्राम शाखाएं गठित करने का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महासचिव सहदेव पाटिल ने किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष अधिवक्ता नामदेव नागले ने प्रदेश अध्यक्ष चरणदास ढेंगरे के निर्देश अनुसार सदस्यता अभियान को तेजी से पूरा करने का आह्वान किया। जिला उपाध्यक्ष काशीनाथ वाघमारे ने सभी कार्यकर्ताओं से डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के धम्म कारवां को संगठित होकर आगे बढ़ाने का आग्रह किया। जिला कोषाध्यक्ष तुलाराम चौकीकर और जिला संघटक किशोर पाटिल ने भी दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और ग्राम शाखाओं के गठन पर बल दिया। नवनियुक्त तहसील अध्यक्ष लक्ष्मण नागले और उपाध्यक्ष मुनेश भुमरकर ने इस जिम्मेदारी के लिए जिला पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और संस्था के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने का संकल्प दोहराया।

लोगों को बताएंगे नशे से होने वाले गंभीर नुकसान

बैतूल, देशबन्धु। 21 जून तक स्कूल, कॉलेजों में जन-जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान पर चर्चा कर नशा नहीं करने का संकल्प लिया जाएगा। 22 जून से 26 जून तक एनएमबीए ऑफलाइन प्लेज सभी शासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों में सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता रैली, वाहन रैली, नुक्कड़ नाटक, फ्लैश माब का आयोजन होगा। इसी अवधी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शॉर्ट वीडियो एवं रील्स प्रतियोगिता, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी एवं नशे पर आधारित जन जागरूकता प्रतियोगिता आयोजित होगी। साथ ही सोशल मीडिया अभियान हेशटैग गतिविधि भी चलाई जाएगी। अभियान के समापन अवसर पर 26 जून को एनएमबीए के बैनर अंतर्गत जिला मजिस्ट्रेट के मुख्य अतिथि में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर एनएमबीए गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार देंगे।

अग्निवीरों के स्वागत में गूंजा दिल दिया है जान भी देंगे ए वतन तेरे लिए... निकाली रैली

बैतूल, देशबन्धु। जिले के 34 नव-अग्निवीरों के आगमन को यादगार बनाने के लिए सोमवार 16 जून को एक भव्य स्वागत रैली का आयोजन किया गया। इन नव-अग्निवीरों ने कठिन सैन्य प्रशिक्षण पूर्ण कर पहली बार अपने जिले की धरती पर कदम रखा। इस ऐतिहासिक पल को सम्मान और गर्व के साथ मनाने के लिए आरडीए परिवार द्वारा सुबह 11 बजे आरडीए प्रांगण से लेकर कॉलेज चौक तक उत्साहपूर्ण स्वागत रैली निकाली गई। रैली में डीजे की गूंज पर देशभक्ति के गीत बजते रहे, जिससे माहौल पूरी तरह राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। समाजसेवियों और नागरिकों ने पूरे जोश के साथ इन वीर सपूतों का स्वागत किया। रैली के माध्यम से नव-अग्निवीरों का अभिनंदन किया गया, जिले के अन्य युवाओं को भी देशभक्ति और सैन्य सेवा के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। आयोजन में शामिल नागरिकों ने कहा कि यह देश के लिए गौरव का क्षण है और हम सभी को इनके उत्साह और अनुशासन से सीख लेनी चाहिए। आरडीए के संचालक फौजी अशोक रघुवंशी ने समस्त नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं में देश के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक प्रबल करते हैं।

सैकड़ों फर्जी नाम से चल रहा कारोबार, पंचायत में फर्जी बिलों पर भुगतान, सरकार को राजस्व की हानि, जिम्मेदार मौन

प्रोपाइटर का नाम, न दुकान का अता-पता, फिर भी भुगतान?

- आखिर किसकी है एम टेक रेन्टल कंपनी ?

भैंसदेही, देशबन्धु । ग्राम पंचायतों में फर्जी बिलों का खेल चल रहा है। आरोप है कि पंचायतों में कागज के टुकड़ों पर प्रिंट फर्जी फर्मों के नाम पर लाखों के भुगतान हो रहे हैं और ये न तो जीएसटी का पालन कर रहे हैं और न ही वाणिज्य कर व आयकर विभाग को इसकी खबर है। पंचायतों में बिल लगाकर प्रतिष्ठान या फिर संचालकों के व्यक्तिगत खातों में भुगतान लिये जा रहे हैं। सूत्रों की माने तो जनपद पंचायत की आमला सहित अन्य पंचायतों में इस तरह के कई बिल लगे हुए है, जिस पर भुगतान किये जाने की जानकारी है। बताया जाता है कि एम टेक रेन्टल कंपनी गुदगांव का बिल 18 अप्रैल 2025 को लगाया था सुत्र बताते है कि न तो इस नाम की गुदगांव पर दुकान है ना ही कंपनी है यह फर्जी फर्म आमला रोजगार सहायक संदीप मगरदे की है जो बिल मे दो नग टायर, ट्यूब और लंगोट का 15200 रुपये का बिल लगाया गया था, जबकि लंगोट 2 नग जिसका मूल्य 200 रुपये है तो उसका टोटल 400 होगा, लेकिन पंचायत के बिल में 800 रुपये लिखा हुआ है। यानि सीधे-सीधे पंचायत ने दोगुने कीमत में खरीदी की या फर्जी बिल बनाकर लगाया है, इसकी जांच होनी चाहिए। इसके अलावा पंचायत में लगाये जा रहे विभिन्न प्रतिष्ठानों का लेखा-जोखा, आयकर व वाणिज्य विभाग में नहीं है, 30 से 40 फीसदी प्रतिष्ठानों का पंजीयन श्रम कार्यालय तक से नहीं कराया गया है और प्रतिष्ठान कहीं घरों के पते पर तो कहीं काल्पनिक पतों पर कागजों में ही संचालित हो रही हैं। वाणिज्य और आयकर सहित श्रम कार्यालय यदि पंचायतों में संचालित ऐसे प्रतिष्ठानों की पड़ताल करे तो सैकड़ों फर्जी फर्म संचालक सामने आ सकते हैं, वहीं शासन को भी जुर्माने के रूप में लाखों का राजस्व मिल सकता है।

पंचायत भवन से 500 फीट केबल गायब

विगत कुछ ही माह पूर्व जनपद सदस्य द्वारा पंचायत के जीआई पाइप लाइन, ट्यूबवेल मोटर एवं केबल सहित पूरा सामान लेकर अपने स्वयं के ट्यूबवेल में डाल लिया था। कई माह तक उससे काम भी लिया, लेकिन जैसे ग्राम के कुछ पंचों को इसकी जानकारी लगी, वैसे ही शिकवा-शिकायतें की गई। जांच में सहीं पाये जाने तथा सामान जनपद के अधिकारियों द्वारा पंचायत को सुपुर्द किया गया। उस समय जब्त किया गया केबल जो कि लगभग 500 फीट लंबा था, पंचायत भवन में ही रखा हुआ था कि लेकिन अब वह केबल पंचायत भवन में मौजूद नहीं है। जिसकी जवाबदारी रोजगार सहायक, सचिव और सरपंच की होती है। चूंकि यह संपत्ति पंचायत की है, इसलिए इसकी जांच और केबल ले जाने वालों पर कार्रवाही होनी चाहिए।

इनका कहना है

पंचायत के पानी का टैंकर के ट्यूब टायर खराब हो चुके थे ।रोजगार सहायक संदीप मगरदे ने टोटल 12 हजार में टयूब टायर लगोंट लाया था। रही बात ट्यूबवेल केवल की तो कुछ केबल पंचायत भवन में ही रखा हुआ है।

-अमरलाल उइके, सरपंच पति, ग्राम पंचायत आमला

मुझे फर्जी बिलों की शिकायत प्राप्त हुई, जिसकी जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

- देवेन्द दीक्षित सीईओ, जनपद पंचायत भैसदेही

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

अल्ट्रासिम्को	2.39 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	2.12 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.66 प्रतिशत
टीसीएस	1.40 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	1.39 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टाटा मोटर्स	3.56 प्रतिशत
डॉ रेड्डी लैब	1.15 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	0.35 प्रतिशत
सन फार्मा	0.19 प्रतिशत
अडाणी टोटल गैस	0.10 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	99,373
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,06,700
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5900
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7500-7600
उड़द दाल	9200-9300
मूंग दाल	9500-9600
अरहर दाल	8600-8700

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

केंद्र सरकार ने शुरू किया 'जीएसटी पखवाड़ा'

- गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स के 8 साल पूरे होने पर हो रहा आयोजन
- जीएसटी दिवस के अवसर पर 30 जून तक चलेगा कार्यक्रम

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने सोमवार को पूरे देश में जीएसटी पखवाड़ा शुरू किया, जो 1 जुलाई को मनाए जाने वाले जीएसटी दिवस के अवसर पर 30 जून तक चलेगा।

दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) के बारे में जागरूकता फैलाना और करदाताओं की समस्याओं का समाधान करने में सहायता करना है। देश भर में सभी केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) आयुक्तालयों में मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए हेल्पडेस्क स्थापित किए गए हैं।

यह पहल भारत में जीएसटी लागू होने के आठ वर्ष पूरे होने के अवसर पर लॉन्च की गई है। एक जुलाई, 2017 को देश में जीएसटी को लागू किया गया था। यह पहल ऐसे समय में शुरू की गई है जब गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) ने रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलावों का ऐलान किया है जो जुलाई 2025 की कर अवधि से प्रभावी होंगे।

नए बदलावों के लागू होने के बाद मासिक जीएसटी भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी को एडिट नहीं किया जा सकता है। सीबीआईसी के अनुसार, इसका मतलब है कि व्यवसाय अब फाइलिंग करने के बाद किसी भी विवरण को मैन्युअल रूप से नहीं बदल पाएंगे। इसके बजाय अब इस फॉर्म को जीएसटीआर-1 जैसे अन्य फॉर्म से बिक्री डेटा के आधार पर स्वत: भर दिया जाएगा और फॉर्म जीएसटीआर-1ए के माध्यम से पहले से ही सुधार करना होगा।

जीएसटीएन ने कहा कि जीएसटी रिटर्न के बीच सटीकता में सुधार और राजस्व लीकेज को रोकने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, रिटर्न दाखिल करने के लिए एक सख्त समय सीमा शुरू की जा रही है। जुलाई 2025 से, करदाताओं को नियत तिथि के तीन साल से अधिक समय बाद कोई भी जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की अनुमति नहीं होगी। यह नियम जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-3बी, जीएसटीआर-9, जीएसटीआर-4 और अन्य सहित सभी प्रकार के रिटर्न पर लागू होगा। यह बदलाव वित्त अधिनियम, 2023 का हिस्सा था और अब इसे जीएसटी पोर्टल पर लागू किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, सीबीआईसी की ओर से करदाताओं को सलाह दी गई है कि वे अपने रिकॉर्ड की समीक्षा करें और नए नियमों के लागू होने से पहले किसी भी लंबित रिटर्न को जमा करें ताकि स्थायी रूप से लॉक आउट होने से बचा जा सके।

पीएम वाणी के लिए टैरिफ की सिफारिश

नई दिल्ली। पीएम-वाणी योजना के तहत रिटेल फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करने वाला प्रत्येक सेवा प्रदाता पब्लिक डेटा ऑफिस (पीडीओ) को 200 एमबीपीएस तक के अपने सभी रिटेल एफटीटीएच ब्रॉडबैंड प्लान देना होगा जिसका टैरिफ बैंडविड्थ (क्षमता) के अनुरूप एफटीटीएच ब्रॉडबैंड प्लान के वास्ते रिटेल ग्राहकों के लिए लागू टैरिफ के दोगुने से अधिक नहीं होना चाहिए। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने पीएम-वाणी योजना के तहत पीडीओ के लिए रिटेल ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के वास्ते टैरिफ पर दूरसंचार टैरिफ (71वां संशोधन) आदेश 2025 सोमवार को जारी किया जिसमें यह सिफारिश की गयी है। ट्राई ने कहा है कि यह मूल्य निर्धारण फ्रेमवर्क छोटे पैमाने के पीडीओ की वहन-क्षमता सुनिश्चित करते हुए सभी हितधारकों के हितों को उचित रूप से संतुलित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है साथ ही इसमें ब्रॉडबैंड कनेक्शन सेवा प्रदाताओं को उचित प्रतिफल प्रदान किया गया है। प्रस्तावित टैरिफ ढांचा मौजूदा बाजार परिदृश्य, पीएम-वाणी सेवाओं को अपनाने के वर्तमान स्तरों के साथ-साथ संभावित भविष्य के विकास को ध्यान में रखते हुये तैयार किया गया है। इस फ्रेमवर्क का उद्देश्य उपर्युक्त विचारों के साथ सामंजस्य बैठाते हुए पीएम-वाणी पहल के तहत पब्लिक वाई-फाई इकोसिस्टम के व्यवस्थित, टिकाऊ और समावेशी विकास को सुविधाजनक बनाना है।

मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उबाल

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण सोमवार को फिर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड आज 0.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.92 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73.83 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

13 जून को इजरायल की ओर से ईरान पर एयर स्ट्राइक करने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है और यह तब से अब तक करीब 7 प्रतिशत महंगा हो चुका है। 12 जून को ब्रेंट क्रूड का दाम 69.36 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 66.64 डॉलर प्रति बैरल था। क्रूड ऑयल की कीमतों में बढ़त की वजह तेल संपन्न क्षेत्र में संघर्ष का लगातार बढ़ना है।

विश्लेषकों के अनुसार, उन्हें कच्चे तेल की कीमतों में कोई और वृद्धि की उम्मीद नहीं है, जब तक कि होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का प्रयास न किया जाए या यमन में ईरान समर्थित हौथी आतंकवादी जहाजों को निशाना न बनाया जाए। जूलियस बेयर के इकोनॉमिक्स और नेक्स्ट जनरेशन रिसर्च के प्रमुख नॉर्बर्ट रकर ने कहा कि तेल ऐसे संघर्षों का सबसे बड़ा संकेतक है और कीमतों में भी इसी के अनुसार उछाल आया है। स्थिति में उतार-चढ़ाव बना हुआ है और आने वाले दिनों और हफ्तों में पता चलेगा कि यह कितना आगे तक जाएगा।

इजरायल की यह कार्रवाई अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर बातचीत के खराब होने और तेहरान द्वारा यह कहने के कारण हुई है कि अगर उस पर हमला किया गया तो वह इराक और आसपास के देशों में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई करेगा।

प्रीमियम चेरी की पहली खेप सऊदी अरब व यूएई के लिए रवाना : गोयल

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं व्यापार मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर से प्रीमियम चेरी की पहली वाणिज्यिक खेप सऊदी अरब और यूएई के लिए रवाना हो रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चेरी किसानों के लिए एक बड़ा बाजार खुल गया है और अब उन्हें उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने पोस्ट किया कि बहुत खुशी की बात है। जम्मू-कश्मीर से प्रीमियम चेरी की पहली वाणिज्यिक खेप सऊदी अरब और यूएई के लिए रवाना हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे चेरी किसानों के लिए एक बड़ा बाजार खुल गया है, जिन्हें अब अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि मोदी सरकार भारत को प्रीमियम एग्री-प्रोडक्ट के ग्लोबल सप्लायर के रूप में स्थापित करने के लिए लॉजिस्टिक्स संबंधी कमियों को दूर कर रही है। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल के लिए यह एक बड़ी जीत है। सरकार लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बाधाओं को दूर करने और भारतीय कृषि और प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

थोक मुद्रास्फीति मई में 0.39 प्रतिशत पर

- थोक कीमतों में मासिक आधार पर रही नरमी
- सकल वस्तुओं के थोक मूल्य सूचकांक में 0.06 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति मई 2025 में मासिक आधार घट कर 0.39 प्रतिशत रही। अप्रैल में यह 0.85 प्रतिशत तथा पिछले साल मई में 0.39 प्रतिशत थी।

थोक मुद्रास्फीति में पिछले छह माह से लगातार गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा सोमवार को जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार अप्रैल, 2025 मई में थोक मूल्य सूचकांक अप्रैल के 154.2 अंक से घट कर मई में 154.1 पर आ गया। खाद्य वस्तुओं की कीमतों को छोड़ कर अन्य वर्गों में मासिक आधार पर थोक कीमतों में मासिक आधार पर नरमी दिखी।

आकंड़ों के अनुसार मई में प्राथमिक वस्तुओं के थोक मूल्यों में सालाना आधार पर सामान्य रूप 2.02 प्रतिशत की कमी देखी गई। ईंधन और बिजली वर्ग में थोक मूल्य पिछले साल मई की तुलना में 2.27 प्रतिशत नीचे रहे।

विनिर्मित उत्पादों के वर्ग में थोक कीमतों में सालाना आधार पर 2.04 प्रतिशत और खाद्य उत्पादों के थोक मूल्य सूचकांक में इसी दौरान 1.72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

मासिक आधार पर सकल वस्तुओं के थोक मूल्य सूचकांक में 0.06 प्रतिशत की गिरावट रही, जबकि प्राथमिक वस्तुओं का थोक मूल्य सूचकांक 0.05 प्रतिशत और ईंधन एवं बिजली 0.95 प्रतिशत नीचे रहा। विनिर्मित वस्तु के अप्रैल और मई के सूचकांक में कोई बदलाव नहीं दिखा, जबकि खाद्य वर्ग में थोक मूल्य सूचकांक मासिक आधार पर 0.11 प्रतिशत ऊंचा रहा।

अंतिम आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 में सभी वस्तुओं संबंधी थोक मूल्य सूचकांक 154.8 और उस पर आधारित थोक मुद्रास्फीति 2.25 प्रतिशत थी। अप्रैल में जारी मार्च के प्रारंभिक आंकड़ों में थोक मूल्य सूचकांक 154.5 अंक और उस पर आधारित थोक मुद्रास्फीति 2.05 प्रतिशत बताई गई थी।

सार संक्षेप

भारत में नहीं है स्टारबक्स का आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। टाटा स्टारबक्स ने कहा है कि भारत में उसका कोई आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नहीं है और इसक लिए डॉली चायवाला के साथ किसी तरह का गठबंधन नहीं किया गया है। कंपनी ने लिंकडइन पर जारी एक बयान में कहा कि हाल ही में सोशल मीडिया पर ऐसा प्रचारित किया जा रहा है कि टाटा स्टारबक्स ने भारत में औपचारिक तौर पर ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इसके मद्देनजर यह स्पष्ट किया जा रहा है कि भारत में किसी को औपचारिक तौर पर ब्रांड एंबेसडर नहीं बनाया गया है। विशेषकर डॉली चायवाला के साथ कोई गठबंधन नहीं किया गया है। कंपनी ने कहा कि किसी तीसरे पक्ष ने एक मेम बनाया जिसे गलत तरीके से वास्तविक अभियान के तौर पर देखा जा रहा है। टाटा स्टारबक्स सच्ची और वास्तविक जानकारी देने के लिए कटिबद्ध है और कंपनी अपने ग्राहकों के मूल्यों में विश्वास करती है।

आकाश इन्विक्टस कैंपस का विस्तार

नई दिल्ली। प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने वाली कंपनी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए अपने विशेष आकाश इन्विक्टस परिसर का राजधानी में विस्तार करने की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि विशेष रूप से जेईई की तैयारी कर रहे मेधावी और प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग अभ्यर्थियों के लिए आकाश इन्विक्टस का डिजाइन किया गया है। यह उच्च-गहनता वाला, व्यक्तिगत, एआई-समर्थित और परिणाम-केंद्रित उपक्रम उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जो आईआईटी या प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों में दाखिले की तैयारी कर रहे हैं। कंपनी ने कहा कि पूर्वी दिल्ली में स्थित आकाश इन्विक्टस कैम्पस एक उन्नत शैक्षणिक अनुभव के लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करता है। इसमें दो शिफ्टों में 1,300 छात्रों को समायोजित किया जा सकता है। आकाश इन्विक्टस राजधानी दिल्ली सहित देश के 40 से अधिक शहरों में उपलब्ध होगा।

वाटरवेज लीजर टूरिज्म का आईपीओ के लिए आवेदन

मुंबई। क्रूज ऑपरेटर वाटरवेज लीजर टूरिज्म ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 727 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आवेदन किया है। दस रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 727 करोड़ रुपये तक के शेयरों का निर्गम है, जिसमें कोई ऑफर-फॉर-सेल नहीं है। इस आईपीओ से प्राप्त राशि में से 552.53 करोड़ रुपये तक जमा/अग्रिम लीज किराया और सहायक कंपनी बेक्रूज शिपिंग एंड लीजिंग प्राइवेट लिमिटेड (बेक्रूज आईएफएससी) को मासिक लीज भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए है। यह निर्गम बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें कम से कम 75 प्रतिशत निर्गम योग्य संस्थागत खरीदारों को आवंटित किया जाना है।

लिवाली की बदौलत गिरावट से उबरा बाजार

- सेंसेक्स 0.84 प्रतिशत की छलांग लगाकर 81,796.15 अंक पर
- निफ्टी 0.92 प्रतिशत उछलकर 24946.50 अंक पर बंद

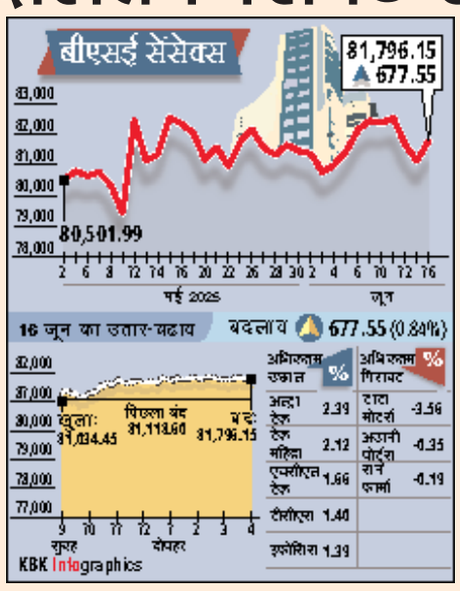

मुंबई, 16 जून (एजेंसियां)। विश्व बाजार की तेजी के बीच स्थानीय स्तर पर नीचे भाव पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत पिछले लगातार दो दिन की गिरावट से उबरकर आज शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 677.55 अंक अर्थात् 0.84 प्रतिशत की छलांग लगाकर 81,796.15 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 227.90 अंक यानी 0.92 प्रतिशत उछलकर 24946.50 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,105.22 अंक और स्मॉलकैप 0.38 प्रतिशत चढ़कर 53,573.31 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4253 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1976 में तेजी जबकि 2108 में गिरावट रही वहीं 169 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 3021 कंपनियों के शेयरों में से 1483 में लिवाली जबकि 1448 बिकवाली हुई वहीं 90 में टिकाव रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, इज़राइल और ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, बाजार में तेजी देखने को मिली, जिसे प्रमुख रूप से लार्जकैप शेयरों में मजबूती ने सहारा दिया। अनिश्चित माहौल में भी निवेशकों ने दीर्घकालिक बुनियादी कारकों पर भरोसा बनाए रखा। मध्य पश्चिम में जारी तनाव निकट भविष्य में बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकता है और किसी भी तरह के तनाव में ढील के संकेतों पर निवेशक करीबी नजर बनाए हुए हैं।

स्मॉलकैप शेयरों के प्रदर्शन पर दबाव रहने की संभावना है, जिसका कारण उनके ऊंचे मूल्यांकन और तात्कालिक सकारात्मक कारकों की कमी है। क्षेत्रीय स्तर पर देखें तो तेल और गैस समूह ने मजबूत लाभ दर्ज किए जबकि आईटी समूह ने आगामी अमेरिकी फेडरल रिजर्व नीति बैठक की उम्मीद में बेहतर प्रदर्शन किया, जिससे ब्याज दरों की दिशा को लेकर अधिक स्पष्टता मिलने की उम्मीद है।

वैश्विक स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.36, जर्मनी का डैक्स 0.24, जापान का निक्केई 1.26, हांगकांग का हैंगसेंग 0.70 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.35 प्रतिशत मजबूत रहा।

वहीं, निफ्टी 14 अंक बढ़कर 24,732.35 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 24,703.60 अंक के निचले जबकि 24,967.10 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले सत्र के 24,718.60 अंक की तुलना में 0.92 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 24,946.50 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में अल्ट्रासिम्को 2.39, टेक महिंद्रा 2.12, एचसीएल टेक 1.66, टीसीएस 1.40, इंफ़ोसिस 1.39, एशियन पेंट 1.28, कोटक बैंक 1.25, टाटा स्टील 1.25, इटरनल 1.20, एलटी 1.15, आईटीसी 1.08, भारती एयरटेल 1.04, मारुति 1.04, पावरग्रिड 1.03, एचडीएफसी बैंक 0.93, बजाज फिनसर्व 0.86, रिलायंस 0.76, आईसीआईसीआई बैंक 0.75, इंडसइंड बैंक 0.36 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, टाटा मोटर्स 3.56, अडानी पोर्ट्स 0.35 और सन फार्मा के शेयर 0.19 प्रतिशत नुकसान में रहे।

अमिताभ कांत ने जी20 शेरपा के पद से दिया इस्तीफा

- 45 वर्ष का रहा सरकारी सेवाकाल

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। अमिताभ कांत ने सोमवार को जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने जी20 शेरपा, नीति आयोग के सीईओ, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के सचिव समेत कई अन्य पदों पर 45 वर्षों तक समर्पित सरकारी सेवा के बाद इस्तीफा दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और लिंक्डइन पर माई न्यू जर्नी शीर्षक से एक पोस्ट में कांत ने कहा कि अब उनका लक्ष्य मुक्त उद्यम, स्टार्टअप और थिंक टैंक का समर्थन करना है। कांत ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि 45 वर्षों की समर्पित सरकारी सेवा के बाद, मैंने नए अवसरों को अपनाने और जीवन में आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने जी20 शेरपा के रूप में मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया और मुझे कई विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने और देश के विकास और प्रगति में योगदान देने का अवसर दिया। अपने सहकर्मियों, साथियों और मित्रों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि वह अब मुक्त उद्यम, स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों को सुविधा और समर्थन देकर विकसित भारत की ओर देश की परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने के लिए तैयार हैं। कांत ने कहा कि 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता का नेतृत्व करना उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में उबाल आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 176 रिंगिट उबलकर 4101 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.73 सेंट की तेजी के साथ 53.34 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5700-5900, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7600-7700, मूंग दाल 9600-9700, उड़द दाल 9300-9400, अरहर दाल 8600-8700 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

2025-26 में रियल्टी परियोजनाओं से ऋण वसूली में होगी 16 प्रतिशत की वृद्धि : रिपोर्ट

- महामारी के बाद माइक्रो मार्केट्स में बढ़ती मांग से बिक्री में आई तेजी

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)। एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों (एआरसी) द्वारा संकटग्रस्त रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए जारी किए गए सुरक्षा रसीदों (एसआर) की संचयी वसूली दर चालू वित्त वर्ष के दौरान 16 प्रतिशत बढ़कर 38 प्रतिशत हो जाएगी। क्रिसिल की सोमवार को जारी हुई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सुधार इन परियोजनाओं में नई इकाइयों की मजबूत बिक्री पर निर्भर करेगा, जो आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र में स्थिर मांग और एआरसी द्वारा ऋण के रणनीतिक रूप से पुनर्गठन के कारण संभव हो पाया है।

क्रिसिल की रिपोर्ट एनसीआर, एमएमआर3 और बेंगलुरु के माइक्रो मार्केट्स में स्थित 70 संकटग्रस्त रियल एस्टेट परियोजनाओं के विश्लेषण पर आधारित है, जिनमें लगभग 10,800 करोड़ रुपए के एसआर जारी किए गए हैं। इनमें से अधिकांश परियोजनाएं गिरती बिक्री, धीमी वसूली और निर्माण पूरा करने के लिए धन की कमी के कारण बढ़ते ऋण चक्र में फंस गई थीं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि रियल एस्टेट की कीमतों में वृद्धि और महामारी के बाद माइक्रो मार्केट्स में बढ़ती मांग के परिणामस्वरूप बिक्री में तेजी आई है, जिससे ये परियोजनाएं बाहरी निवेशकों द्वारा फंडिंग के लिए व्यवहार्य हो गई हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि एनसीआर, एमएमआर3 और बेंगलुरु के सूक्ष्म बाजारों में आवासीय अचल संपत्ति के लिए 2025-2026 में मांग में 7-9 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है और इससे इन संकटग्रस्त परियोजनाओं की बिक्री को भी सपोर्ट मिलेगा। रेटेड परियोजनाओं में से लगभग दो-तिहाई मिड-प्रीमियम सेगमेंट और उससे ऊपर की हैं, जिनसे वित्त वर्ष 26 में स्थिर मांग के कारण एआरसी की रिकवरी में 80 प्रतिशत तक का योगदान देने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, दो कारणों से ऋण का पुनर्गठन संकटग्रस्त रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए पसंदीदा समाधान रणनीति के रूप में उभरा है। पहला, एआरसी भुगतान पर आरंभिक रोक लगाकर ऋण को वहन करने योग्य स्तर पर ला सकते हैं। एआरसी द्वारा पुनर्गठन का पक्ष लिए जाने का दूसरा कारण रियल एस्टेट क्षेत्र में अंतर्निहित मुद्दे हैं, जिसमें भूमि का दोहरा स्वामित्व और विकास अधिकार, क्रॉस-कोलैटरलाइजेशन के साथ राज्य प्राधिकरणों से अनुमोदन आदि शामिल हैं।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।